INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-345 | मथुरा, रविवार, 8 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

Sweety BY MR GROUP Presents

यूपी में बिजली झटका देने को तैयार

20 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव स्मार्ट मीटर का बोझ भी जनता पर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के लिए आने वाला समय राहत से ज्यादा चिंता भरा नजर आ रहा है। राज्य की बिजली वितरण कंपनियों ने घाटे का हवाला देते हुए बिजली दरों में करीब 20 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव पर अब मार्च में अंतिम फैसला होना है, लेकिन उससे पहले जनता को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया है।

लखनऊमें बिजली नियामक आयोग ने इस प्रस्ताव को प्रारंभिक तौर पर स्वीकार करते हुए कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अगले तीन दिनों के भीतर पूरा प्रस्ताव अखबारों में प्रकाशित करें। इसके बाद उपभोक्ताओं को 21 दिन का समय मिलेगा, जिसमें वे अपनी आपत्तियां और सुझाव आयोग को भेज सकेंगे। कंपनियों का दावा है कि उन्हें

करीब 12,453 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए दरों में बढ़ोतरी जरूरी है। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात स्मार्ट मीटर को लेकर सामने आई है। बिजली कंपनियां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने और उनके संचालन पर आने वाले लगभग 3,837 करोड़ रुपये के खर्च को भी बिजली दरों में जोड़ना चाहती हैं। यानी इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। उपभोक्ता परिषद ने इन आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए इन्हें गलत

12 हजार करोड़ घाटे का हवाला, अब जनता की आपत्ति से तय होगा फैसला

और बढ़ा–चढ़ाकर बताया है। वहीं, बीते 11 महीनों में 1,400 करोड़ रुपये की कथित अतिरिक्त वसूली का मामला भी तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप है कि अलग–अलग शुल्कों के नाम पर उपभोक्ताओं से चोरी–छिपे ज्यादा पैसे वसूले गए। फरवरी के बिजली बिल में 10 प्रतिशत अतिरिक्त चार्ज लगाए जाने के बाद नियामक आयोग ने भी सख्ती दिखाई है और पावर कॉरपोरेशन से पूरी गणना के दस्तावेज मांगे हैं। अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो इस वसूली की बड़ी जांच हो सकती है। बिजली दरों के साथ–साथ निजीकरण का मुद्दा भी फिर गरमा गया है। विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारी 12 फरवरी को प्रदेशभर में प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उनके इस आंदोलन को किसान संगठनों और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का भी समर्थन मिल रहा है।

कर्मचारियों का कहना है कि जब तक निजीकरण का फैसला वापस नहीं लिया जाता, उनका संघर्ष जारी रहेगा। कुल मिलाकर, बिजली दरों में संभावित बढ़ोतरी ने प्रदेश की राजनीति और आम जनता दोनों की टेंशन बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि जनता की आपत्तियों और सुझावों के बाद नियामक आयोग क्या फैसला लेता है।

होशियारपुर एक्सप्रेस से महिला का बैग चोरी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होशियारपुर एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला का कंधे पर लटकाने वाला बैग चोरी हो गया। बैग में महिला के जेवरात, नकदी व अन्य सामान था। महिला ने ट्रेन के टीटीई के माध्यम से चलित रिपोर्ट दर्ज कराई है। गोरखपुर के रहने वाले हरीओम मिश्रा अपनी पत्नी जूही मिश्रा, मां सुनीता मिश्रा दो बहन श्रीजन तिवारी व श्याम शुक्ला के साथ ब्रज दर्शन के बाद करनाल जाने के लिए शनिवार की रात मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचे। उनकी होशियारपुर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस–दो में सीटें आरक्षित थी। ट्रेन अपने निर्धारित समय पर रात करीब 8:10 बजे जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंची। हरीओम मिश्रा और उनका परिवार ट्रेन में सवार हो गया। ट्रेन दिल्ली की ओर रवाना हो गई। ट्रेन जैसे ही नया बस स्टैण्ड से आगे पहुंची तभी जूही मिश्रा का बैग किसी ने चोरी कर लिया। बैग चोरी होते ही हरीओम मिश्रा ने चैन खींचकर ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन के

बैग में थे जेवरात नकदी व सामान

रुकते ही टीटीई पी. मीना कोच में पहुंचे। टीटीई ने चैन खींचने वाले के बारे में जानकारी की, तो हरीओम मिश्रा ने उन्हें बताया कि उनकी पत्नी का शोल्डर बैग किसी ने चोरी कर लिया है। उन्होंने टीटीई को बताया कि बैग में करीब 56 हजार रुपये कीमत के जेवरात, 9 हजार रुपये की नकदी और अन्य सामान रखा था। टीटीई ने उन्हें चलित रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए फॉर्म दिया, जिसमें हरिओम मिश्रा ने आवश्यक जानकारी भरकर उसे टीटीई को सौंप दिया। जीआरपी मथुरा ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने बताया कि होशियारपुर एक्सप्रेस से महिला का बैग चोरी होने की सूचना मिली है। टीटीई द्वारा भरवाया गया चलित रिपोर्ट का फॉर्म अभी प्राप्त नहीं हुआ है। बैग चोरी करने वालों की तलाश के लिए क्यूआरटी को लगाया गया है।

सावधान ...नकली दूध और मावा आ गया बाजार में

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होली और महाशिवरात्रि आ रही है। बाजार में नकली मावा और दूध समेत अन्य सामान की बिक्री करने वाले भी सक्रिय हो गए हैं। ऐसे लोगों से सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। होली पर अधिकांश लोग मावा की भरी गुजिया बनाते हैं और बाजार में भी बिकती है। त्यौहार का फायदा उठाने के लिए नकली मावा बेचने वाले भी बाजार में सक्रिय हो गए हैं। नकली मावा बनाने वाले इस समय

शिवरात्रि और होली पर सतर्क रहने की जरूरत

मथुरा शहर और ग्रामीण इलाकों में मावा की बिक्री कर रहे हैं। होली आने पर मावा की मांग और बढ़ जाएगी। ऐसी स्थिति में नकली मावा (खोआ) बनाने वालों की पौ बारह हो जाएगी। जानकारों की मानें तो इस समय वैसे ही मंदिरों के आसपास बिकने वाले पेड़ा में नकली मावा ही प्रयोग हो रहा है। श्रद्धालु ठाकुरजी को भोग लगाने के लिए पेड़ा खरीदकर ले जाते हैं, और प्रसाद स्वरूप पेड़ा को फिर अपने घर ले जाते हैं। दो–तीन दिन में पेड़ा खराब होने लगता है तो श्रद्धालु का माथा ठिनकता है, क्या नकली मावा से बना पेड़ा था। श्रद्धालुओं का कहना है कि प्रसाद स्वरूप पेड़ा में कोई स्वाद ही नहीं होता है। इस पेड़ा को देखते हुए यह आशंका लग रही है कि होली पर मावा से बनने वाली मिठाई को देखते हुए नकली मावा बनाने वालों का कारोबार और अच्छा चल निकलेगा। इसी तरह से महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर अर्पित किए जाने वाला दूध भी नकली और मिलावटी आने वाला है। हालांकि अधिकांश श्रद्धालु इसी दूध को भगवान शिव पर चढ़ाएंगे, उनको क्या पता कि वह असली है या नकली। पिछले वर्ष खाद्य और औषधि विभाग ने छापा मारी की थी।

नकली दूध और मावा के मामले पकड़ में आए थे। इस बार अभी तक कोई छापेमारी शुरू नहीं की गई है। डॉक्टरों ने नकली मावा से दूर रहने की सलाह दी है। नकली मावा का सेवन कई बीमारियों को आमंत्रण दे सकता है।

यूपी में हाउस टैक्स के नाम पर चल रहे खेल पर शासन सख्त

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा समेत बड़े शहरों की कोठियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की मौके पर जांच होगी। छोटे मकान मालिकों को राहत और बड़े बकायेदारों पर कसेगा शिकंजा। प्रदेश में गृहकर निर्धारण और वसूली में हो रही गड़बड़ियों पर शासन ने सख्त रुख अपनाया है। मथुरा समेत यूपी के प्रमुख शहरी क्षेत्रों में अब कोठियों और बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से वसूले जा रहे हाउस टैक्स की मौके पर जांच कराई जाएगी। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि टैक्स का निर्धारण वास्तविक मानकों के आधार पर हो रहा है या मनमाने तरीके से। शासन को लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि मथुरा जैसे शहरों में छोटे मकान और दुकान मालिकों को टैक्स निर्धारण व वसूली के नाम पर परेशान किया जाता है, जबकि बड़े भवन स्वामी और प्रतिष्ठान अपने हिसाब से अधिकारियों को सेट कर कम टैक्स तय करा लेते हैं। इससे न सिर्फ निकायों की आय प्रभावित हो रही है, बल्कि व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में मकान, दुकान और व्यावसायिक भवनों पर हाउस टैक्स के साथ पानी और सीवर कर वसूला जाता है। इन करों का निर्धारण क्षेत्रफल, निर्माण की प्रकृति और सर्किल रेट के आधार पर किया जाता है। मथुरा के प्रमुख बाजार क्षेत्रों और पॉश इलाकों में सर्किल रेट अधिक है, इसके बावजूद टैक्स निर्धारण में भारी अंतर की शिकायतें सामने आ रही हैं। हाल ही में शासन स्तर पर हुई बैठक में हाउस टैक्स चोरी रोकने और निकायों की आय बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। इसमें तय किया गया कि नए वित्तीय वर्ष से नए मानकों के साथ हाउस टैक्स की वसूली होगी और मथुरा सहित सभी नगर निकायों में औचक निरीक्षण अनिवार्य किया जाएगा। इससे बड़े बकायेदारों पर कार्रवाई और आम नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

परेशानी — भीड़ के कारण घर पर मोबाइल से लाइव दर्शन करते हैं

लोकल भक्तों के लिए बांके बिहारी के दर्शन मुश्किल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण स्थानीय भक्तों को आसानी से दर्शन करना मुश्किल हो गया है। कई भक्त तो ऐसे हैं कि वह दर्शन किए बगैर अपनी दिनचर्या शुरू नहीं करते हैं। इस कारण पूरे दिन उदास से रहते हैं। यह कोई एक दिन की बात नहीं है। अब तो आए दिन ऐसी स्थिति से स्थानीय भक्तों को गुजरना पड़ रहा है। अनेक भक्तों का कहना है कि वह अपने पैरों से सही ढंग से चल नहीं पाते हैं तो वह अपने घर पर बैठकर किसी न किसी मोबाइल पर लाइव दर्शन कर लेते हैं। मन को तसल्ली से मिल जाती है। उनका कहना है कि वह पिछले कई वर्ष हर दिन श्रृंगार आरती के दर्शन करते थे,

लेकिन वर्तमान की परिस्थितियों में श्रृंगार आरती के दर्शन करने के मुश्किल हो गए हैं। इसी तरह से दोपहर को राजभोग और रात्रि में शयन आरती के दर्शन करना टेढ़ी खीर हो गया है। तीनों आरती के समय भीड़ इतनी अधिक होती है कि लोकल वृद्ध भक्तों को लाइन में खड़े होने में दिक्कत होती

विशेष गेट और प्रवेश पत्र देने का सुझाव

है। ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर के सेवायत इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने हाई पावर्ड टैम्पल मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष से स्थानीय निवासियों के लिए मंदिर में प्रवेश को एक गेट को आरक्षित कर ख़ास दीर्घा से दर्शन करने का सुझाव दिया है। उन्होंने राजस्थान के श्रीनाथ द्वारा मंदिर की तर्ज पर वृन्दावन के नागरिकों को विशेष प्रवेश पत्र जारी करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पिछले लम्बे समय से प्रभु दर्शन का विछोह झेल रहे इन ब्रजवासियों में बहुत से लोग तो ऐसे हैं, जो पूर्व में नित्यानी तौर पर ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शन अथवा सुबह श्रृंगार आरती करने के बाद ही जलपान ग्रहण करते थे। किन्तु अब रोजाना हो रही बेतहाशा भीड़ ने उनके सभी नियम–धरम, कार्य–व्यवसाय आदि धाराशायी से कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीनाथजी के दर्शनार्थ पहुंचने वाले वहाँ के निवासियों को निश्चित स्थान से दर्शन करने के बाद बैठने को बैंच, पेयजल व प्रसाद की सुविधाएं भी प्रदान की जाती है। हालांकि श्रीनाथद्वारा में ऐसी व्यवस्थाएं 2020 के कोरोना काल में आरम्भ हुई थी, लेकिन आंशिक सुधार व समयानुसार परिवर्तन के साथ वहाँ उक्त जनसेवा अभी भी चल रहीं हैं। श्री गोस्वामी का कहना है कि आगन्तुको की संख्या पर नियंत्रण रखने के वास्ते प्रवेशपत्र पर एक माह में सिर्फ दो या चार बार की अनुमति भी अंकित की जा सकती है।

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय समाचार पत्र की प्रति (कॉपी) प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।
8394983366

मौसम के करवट बदलने से झोलाछाप डॉक्टर काट रहे हैं चांदी

लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप

यूनिक समय, मथुरा। बदलते मौसम और वायरल के प्रभाव के चलते झोला छाप डॉक्टरों की बल्ले-बल्ले हो रही है। इन डॉक्टरों की दुकानों पर बड़ी संख्या में मरीजों की भीड़ दिखाई देने लगी है। शहरी इलाके में बड़ी संख्या मे हॉस्पिटल और सरकारी हॉस्पिटल होने के बावजूद गरीब तबके के लोग आज भी बीमार होने पर इन अस्पतालों में मिलने वाली सुविधाओं का लाभ नहीं ले रहे हैं। गली और मौहल्ले में दुकान खोलकर बैठे इन झोलाछाप डॉक्टरों की दुकान और मेडिकल स्टोरों से दवा ले रहे हैं। इस तरह

के लोग अपने स्वास्थ्य के साथ तो खिलवाड़ कर ही रहे हैं। इसके साथ ही झोला छाप इन डॉक्टरों की मोटी कमाई का हिस्सा भी बन रहे हैं। आज भी इस तरह के लोग शहर और ग्रामीण इलाके में मौजूद हैं। जो बीमार होने पर अनुभवी चिकित्सकों के पास जाने की अपेक्षा वायरल से होने वाली बीमारियों जैसे नजला-जुखाम खांसी, बदन में दर्द, सर्दी गले में होने वाली खराबी का इलाज खुद ही मेडिकल स्टोर से दवा लेकर कर रहे हैं। यही नहीं इस तरह की बीमारियों के लिए लोग अपने आस-पड़ोस और मौहल्ले अथवा गलियों में बिना डिग्री के प्रैक्टिस करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों से दवा खरीद लेते हैं। झोला छाप चिकित्सकों ने भी बड़े डाक्टरों की तरह से अपनी फीस निर्धारित कर रखी है। कोई सौ रुपये लेता है तो कोई पचास और कोई तीस रुपये एक दिन की दवा के लेता है।

भर्ती और डिलीवरी भी करते हैं झोलाछाप

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बड़ी संख्या में झोलाछाप डॉक्टर मरीजों को बिना मेडिकल की डिग्री के दवाएं दे रहे हैं। जनपद में 100 की संख्या में इस तरह के चिकित्सक मौजूद हैं। कुछ लोगों ने तो अपने यहां मरीजों को बकायदा भर्ती तक करने की व्यवस्था कर रखी है। कुछ तो महिलाओं की डिलीवरी तक करा रहे हैं। सीएमओ कार्यालय इन चिकित्सकों के खिलाफ जब सक्रिय होता है जब कोई मरीज इनके इलाज के दौरान मर जाता है अथवा किसी मरीज को इनके द्वारा दी जाने वाली दवा से नुकसान हो जाता है। विभाग कुछ दिन झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ करता है बाद में सब भूल जाता है।

इस तरह इन झोलाछाप चिकित्सकों की दुकानों पर लोगों की भीड़ लग रही है।

महर्षि भरतमुनि स्मृति दिवस पर नाट्य कला साधक सम्मानित

संस्कार भारती के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में कलाकार को सम्मानित करते पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। संस्कार भारती के बैनर तले बिहार घाट स्थित श्री निंबार्क जूनियर हाई स्कूल में नाट्य शास्त्र के प्रणेता महर्षि भरत मुनि की स्मृति में नाट्य कलाकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नाट्य कलाकार श्याम सुंदर शर्मा, गोपाल वर्मा, दान बिहारी खंडेलवाल एवं चेतन स्वरूप गर्ग को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद सिंह ने कहा कि महर्षि भरत मुनि का नाट्यशास्त्र केवल रंगमंच का ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति जीवन मूल्यों और लोक परंपराओं का जीवन का इतिहास है, जिसने सदियों से समाज को दिशा दी है। मुख्य वक्ता शिक्षाविद डॉ. चंद्र प्रकाश शर्मा ने नाटक के ऐतिहासिक विकास और उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि विजय रिणवां, विनोद कुमार शर्मा एवं डॉ राजीव द्विवेदी ने विचार व्यक्त

जीवन मूल्यों और लोक परंपराओं के जीवन का इतिहास है महर्षि भरत मुनि का नाट्यशास्त्र : डॉ. प्रमोद सिंह

किए। अध्यक्षता करते हुए संस्था अध्यक्ष ब्रज किशोर त्रिपाठी ने कहा कि जहां जीवन है वहां नाट्य है और जहां नाट्य है वहां भरत मुनि का अमर चिंतन है। मदालसा शर्मा, वैष्णवी शर्मा, तन्वी ओझा तथा वसंत पल्लवी ने नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कन्हैया अग्रवाल, गंगा प्रसाद एक्सपोर्ट, विनीत अग्रवाल, मोहन मोही, बृजेंद्र शर्मा, ब्रजेश गिरी, हरिवंश खंडेलवाल, डॉ जयेश खंडेलवाल, प्रो के एम अग्रवाल, वैद्य प्रेमशंकर खंडेलवाल, विश्वनाथ गुप्ता, केशव देव उपाध्याय, आनंद प्रकाश द्विवेदी, लक्ष्मण प्रसाद सर्राफ, सत्यभान शर्मा, राजीव शर्मा तथा लोकेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट सभागार में 10 को मनाया जाएगा इंटरनेट दिवस

यूनिक समय, मथुरा। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव तथा उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव के निर्देश के अनुसार जिले में सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 10 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के दूसरे मंगलवार को विश्व स्तर पर सैफर इंटरनेट डे (सुरक्षित इंटरनेट दिवस) मनाया जाता है। इस वर्ष सुरक्षित इंटरनेट दिवस की थीम "स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्पः कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग" रखी गई है। जिला स्तर पर आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक किया जाएगा।

वार्ड 61 में विकास ने पकड़ी रफ्तार

वार्ड नंबर 61 में पूजन कर सड़क का शुभारंभ करते अतिथि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वार्ड 61 चौबिया पाड़ा मे विकास यात्रा के अंतर्गत आज नक्कारची टीला, चूड़ी गली व मानिक चौक अंश की आठ गलियों मे 27 लाख रुपये की लागत से बनाई जाने वाली सड़कों का शुभारम्भ शक्ति केंद्र संयोजक राजेश शर्मा, बूथ अध्यक्ष महेश शर्मा एवं अनिल अग्रवाल की उपस्थिति में किया।

भाजपा नेता रामकिशन पाठक ने बताया कि सबका साथ सबका विकास की भावना के अंतर्गत महापौर विनोद अग्रवाल व नगर आयुक्त जगप्रवेश के निर्देशन में पार्षद श्रीमती रचना रामकिशन पाठक के प्रयासों से वार्ड की सभी गलियों को बनवाने के संकल्प के तहत इस वित्तीय वर्ष में काम हो गए हैं। इस अवसर पर पूर्व सभासद बालकृष्ण पाठक कातिब, पार्षद बालकृष्ण, नितिन चतुर्वेदी, सतीश चतुर्वेदी एडवोकेट, अशोक गुप्ता, सुमेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

रैली निकाल कर दिया संदेश 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'

रैली के माध्यम से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देती छात्राएं।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र के जतीपुरा स्थित श्रीजी बाबा सरस्वती शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत रैली निकाली। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर बोलती हुई श्रीमती रेखा ने कहा कि बेटियां समाज की धरोहर हैं। श्रीमती जानकी देवी ने कहा कि बेटी को अभिभावक द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करना चाहिए। प्रधानाचार्य डॉ विनोद कुमार शर्मा ने सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं सुकन्या, सुमंगला की जानकारी दी। छात्रा खुशी व मुस्कान ने विचार व्यक्त किए। संचालन छात्रा बिट्टू शर्मा ने किया। कार्यक्रम अधिकारी बहादुर सिंह ने मातृ शक्ति का आभार जताया। कार्यक्रम में विष्णु प्रधान, श्रीमती ममता गौड़, श्रीमती सुषमा गौड़ श्रीमती कमलेश कौशिक एवं श्रीमती डोली आदि ने भाग लिया।

तापमान / मौसम

26 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

12 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,62,000

22 कैरेट 1,49,040

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)

वाट्सऐपः 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन

14420 — सीवर सफाई के लिए

18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)

0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

जल निगम, मथुरा

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए यूनिक समय

www.uniquesamay.com

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय की समाचार की प्रति कॉपी प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। 8394983366

महाशिवरात्रि पर जिले में उमड़ेगी भक्तों की भीड़

हर शिवालय में गूंजेगा बम-बम भोले

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि का पर्व नजदीक आते ही जिले में भक्तिमय माहौल बनता जा रहा है। गांव और शहर सभी जगह भगवान शिव की पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शिव मंदिरों में सफाई कराई जा रही है और झालरों व फूलों से सजावट की जाएगी। सेवायत पूजा की व्यवस्था में लगे हुए हैं। महाशिवरात्रि के दिन सुबह से ही शिवालयों में भक्तों की भीड़ लगेगी। जिले के अलग-अलग

मंदिरों में सफाई व सजावट शुरू, श्रद्धालु पैदल कांवड़ लाकर करेंगे जलाभिषेक

इलाकों से लोग भगवान शिव के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचेंगे। श्रद्धालु गंगाजल, दूध, दही, शहद और बेलपत्र से शिवलिंग का अभिषेक करेंगे। बच्चे, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग सभी श्रद्धा के साथ पूजा करेंगे। मंदिरो में "हर-हर महादेव" और "बम बम भोले" के जयकारे गूंजेंगे। इस दिन बड़ी संख्या में लोग व्रत रखते हैं। महिलाएं परिवार की सुख-शांति की कामना करेंगी, जबकि युवा अपने दोस्तों के साथ मंदिरों में पहुंचकर पूजा करेंगे। कई मंदिरों में भजन-कीर्तन का आयोजन भी होगा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। महाशिवरात्रि पर सच्चे मन से की गई पूजा से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं। महाशिवरात्रि से पहले जिले में कांवड़ यात्रा भी शुरू हो गई है। भक्तों का गंगा घाटों से कांवड़ लाना शुरू हो गया। कोई श्रद्धालु राजघाट से गंगाजल लेकर पैदल चलेगा तो कोई कछला गंगा घाट से जल भरकर यात्रा करेगा। भोले बाबा को खुश करने के लिए महिलाएं भी कांवड़ यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेंगी। कई युवा वर्ग दौड़ते हुए कांवड़ लेकर चलेंगे। महाशिवरात्रि के दिन सुबह से ही बैंड-बाजों के साथ कांवड़ को शिव मंदिरों में चढ़ाया जाएगा। ढोल-नगाड़ों की आवाज और जयकारों से माहौल पूरी तरह शिवमय हो जाएगा। रास्ते में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सेवा शिविर भी लगाए जाएंगे।

फरह में चिकित्सा शिविर 10 को, हिंदू सम्मेलन 11 को

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। अंत्योदय के उपासक पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर दीनदयाल धाम में दो दिवसीय सेवा और सुश्रवा का संगम होगा। पहले दिन 10 फरवरी को चिकित्सा और रक्तदान शिवि लगेगा। 11 फरवरी को हिंदू सम्मेलन होगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मभूमि स्मारक समिति और पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम दीनदयाल धाम स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय आरोग्य केंद्र पर आयोजित होगा। 10 फरवरी को सुबह 10 बजे से आयोजित चिकित्सा शिविर में आगरा मथुरा के स्त्री, बाल, त्वचा रोग विशेषज्ञों के अलावा कैंसर विशेषज्ञ और होम्योपैथिक और आयुर्वेदाचार्य सहभागिता निभाएंगे। इसी दिन सुबह 10 बजे रक्तदान शिविर लगेगा।

रक्तदान करने वाले रक्तदानियों को सम्मानित भी किया जाएगा। 11 फरवरी को दोपहर एक बजे हिंदू सम्मेलन होगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय सीनियर सेकेंडरी विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय विमर्श प्रमुख मुकुल कानितकर होंगे।

पुलिस ने पकड़ी 33 लाख रुपये की अंग्रेजी शराब

पुलिस की गिरफ्त में शराब तस्कर और बरामद शराब।

ट्रक से ले जाई जा रही थी अंग्रेजी शराब की 403 पेटियां

ट्रक चालक गिरफ्तार 7,930 नकद, मोबाइल आदि हुए बरामद

संवाददाता

यूनिक समय, नौहझील (मथुरा।) नौहझील–गौमत मार्ग पर बाजना कट पुलिस चौकी के समीप पुलिस और स्वाट टीम ने चेकिंग के दौरान एक ट्रक से तस्करी कर पंजाब से लाई जाने वाली अंग्रेजी शराब की 403 पेटी बरामद की है। बरामद शराब की कीमत 33 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। नौहझील पुलिस और स्वाट टीम नौहझील–गौमत मार्ग पर पुलिस चौकी के समीप चेकिंग कर रही थी। इसी बीच वहां से गुजरते एक ट्रक को पुलिस ने चेकिंग के लिए रोक लिया। पुलिस ने ट्रक की तलाशी की तो पुलिस वाले यह देख कर दंग रह गए कि ट्रक में पंजाब प्रदेश की अंग्रेजी शराब की पेटियां रखी थी। पुलिस ने ट्रक में शराब मिलने पर ट्रक चालक अखाराम निवासी लेजियांवास थाना गुडामालिनी जनपद बाड़मेर राजस्थान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को ट्रक में 403 पेटियों में अंग्रेजी शराब भरी हुई मिली। ट्रक चालक के पास से पुलिस को 7 हजार नौसो तीस रुपये, डीएल, मोबाइल फोन और आधार कार्ड मिला। पुलिस ने शराब की पेटियों से भरे ट्रक को जब्त कर लिया और अभियुक्त के खिलाफ आबकारी एक्ट में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी सोनू कुमार, स्वाट टीम प्रभारी अजय वर्मा, चौकी प्रभारी बाजना कट हरेंद्र सिंह तौमर, उप निरीक्षक सुभाषचंद, उप निरीक्षक विदित कुमार, उप निरीक्षक शिवम कुमार, चौकी प्रभारी यमुना पुल रजत गर्ग और पुलिस टीम शामिल थी।

शहीद इंस्पेक्टर को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई

सूरज कुंड मेले में झूला गिरने से मथुरा के रहने वाले इंस्पेक्टर हुए शहीद

डीजीपी ने की शहीद के परिवार को एक करोड़ रुपये देने की घोषणा

परिवार के एक सदस्य को भी मिलेगी नौकरी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। फरीदाबाद के सुरजकुंड मेले में झूला टूटने से एक बड़ा हादसा हो गया। हादसे में झूला गिरने से एक इंस्पेक्टर की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही कई लोग घायल हो गए। हरियाणा पुलिस की डीजीपी ने मृतक इंस्पेक्टर के परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। शहीद हुए इंस्पेक्टर का आज महावन तहसील के गांव डैंगरा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। थाना यमुनापार के गांव डेगरा निवासी जगदीश प्रसाद हरियाणा के पलवल जिले के चांदहट थाने में पोस्टेड थे। वहां सुरज कुंड मेले में उनकी ड्यूटी थी। ड्यूटी के दौरान मेले में लगा उंचा झूला अचानक टूट कर गिर गया। झूले में उस समय तीस लोग सवार थे। इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद झूले और प्लेटफार्म के बीच फंस गए। झूला टूटने से मेले में हड़कंप मच गया। घायल इंस्पेक्टर और अन्य घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने जगदीश प्रसाद को मृत घोषित कर दिया। जगदीश प्रसाद के सेवानिवृत्त होने में करीब दो माह का समय शेष था। डीजीपी हरियाणा ने उनके ऑन ड्यूटी मृत्यु होने पर एक करोड़ रुपये की परिवार को सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा की। पुलिस उनके पार्थिक शरीर को गांव डैंगरा लाई। उनका परिवार मौत से बेहद सदमे है। वहीं गांव में इस दुखद हादसे का पता लगने पर शोक की लहर दौड़ गई। आज प्रातः करीब दस बजे उन्हें राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। मुखाग्नि उनके बेटे पुरण ने दी। इस मौके पर हरियाणा पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मैरिज होम प्रबंधक की हत्या में पति–पत्नी गिरफ्तार

अवैध संबंधों के चलते की गई थी हत्या

पुत्र को पहले ही पुलिस कर चुकी है गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार क्षेत्र में अवैध संबंधो को लेकर हुई हत्या के मामले में पुलिस ने पत्नी और पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में पुत्र को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना यमुनापार के लक्ष्मीनगर इलाके में एक मैरिज होम के प्रबंधक की हत्या करने के बाद उसके शव को बोरी मे भरकर यमुना में फेंक दिए जाने के मामले में परिवार द्वारा किए गए हंगामे के बाद पुलिस ने चौकीदार के बेटे अभियुक्त सोनू को गिरफ्तार किया था। उसने पुलिस को बताया था कि उसने रंनधीर उर्फ रणवीर की हत्या करने के बाद शव को बोरी में भरकर यमुना में फेंक दिया था। पुलिस ने इसके बयान के आधार पर शव को गोकुल बैराज के समीप से बरामद किया था। इस मामले में यह बात प्रकाश में आई थी कि सोनू की मां के मृतक के साथ अवैध संबंध थे। इसके चलते सोनू ने अपने माता पिता के सहयोग से उसकी गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे सोनू के पिता महेंद्र सिंह और उसकी मां को रावल तिराहा के समीप से एक सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक विदेश कुमार, उप निरीक्षक अनिल कुमार आदि शामिल थे।

शराबी का रात को आतंक

पुलिस लाइन के सामने गाड़ियों पर पथराव

सड़क पर शराबी मचाता रहा हुड़दंग रोडवेज बस पर पत्थर चलाते चपेट में आया

घायल शराबी अस्पताल से भी भाग निकला

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस लाइन के सामने बीती रात आगरा–मथुरा मार्ग पर एक शराबी ने जमकर हंगामा किया। वहां से गुजरने वाले वाहनों पर पथराव किया। रोडवेज बस को पत्थर मारने के दौरान बस की चपेट में आ गया। घायल शराबी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वह वहां से भी भाग गया। शराबी का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। बताया गया कि रात में करीब 12 बजे एक शराबी ने पुलिस लाइन के निकट आगरा–मथुरा मार्ग पर जमकर हंगामा किया। शराबी सड़क से गुजर रहे वाहनों पर पत्थर मार रहा था। इसके साथ ही वहां से गुजरती एक कार पर शराबी ने पत्थर मारा। चालक ने कार को रोक लिया। इस पर शराबी ने फिर दोबारा पत्थर मारा जिससे कार को नुकसान हुआ। इसके बाद सड़क किनारे से एक मोटा पत्थर उठाकर शराबी वहां से गुजरती रोडवेज बस को मारने के लिए दौड़ा। पत्थर मारने के दौरान शराबी बस की चपेट में आ गया। रात में शराबी के हुड़दंग से लोगों में दहशत रही। बताया गया कि शराबी का नाम महेश पुत्र नहने निवासी मीना बाजार आगरा है। महेश अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी वार्ड से भाग गया।

महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव नगला बुरावई में एक महिला ने घर में बीती रात फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। महिला ने अपने पीछे चार माह का बेटा और ढाई साल की बेटी छोड़ी है। नगला बुरावाई निवासी गोविंद की शादी चार साल पहले थाना गोवर्धन के गांव आन्यौर निवासी महिला देवकी (29) के साथ हुई थी। शादी के बाद देवकी को बेटी पैदा हुई। चार माह पूर्व उसने एक बेटे को जन्म दिया था। किसी बात को लेकर पति–पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। रात में महिला देवकी ने किसी समय फांसी का फंदा लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिवार के लोगों को जब इस बात का पता लगा तो हड़कंप मच गया।

वृंदावन में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

यूनिक समय, मथुरा। थाना वृंदावन क्षेत्र स्थित बारह घाट केली कुंज इलाके से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

हिंदू सम्मेलन मे सनातन धर्म की एकता पर जोर

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। डाक बंगला पर आयोजित हिंदू सम्मेलन में सैकड़ो की संख्या से अधिक लोग आए। वक्ताओं ने सनातन धर्म की एकता पर जोर दिया। जिला प्रचारक कुश, देवानंद गिरी, लक्ष्मण ,पुरुषोत्तम, महेंद्र वार्ष्णेय, भुवनेश, राजू,राहुल, सतीश, कृष्णा, नरदेव, हरेंद्र, पदम एवं रविंद्र आदि उपस्थित थे।

बेटों और बहुओं ने वृद्ध दंपति को मारपीट कर घर से निकाला

गांव में सब कुछ होते हुए भी अब उनके पास न छत है न भोजन

एसएसपी के आदेश पर हुआ मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। गांव भदनवारा में एक बूढ़े मां–बाप के पास सब कुछ होते हुए भी बेटों और उनकी पत्नियों ने उनको मारपीट कर निकाल दिया। यही उनकी सारी संपत्ति पर भी कब्जा कर लिया। अब वह दाने दाने को मोहताज हैं। पीड़ित दंपति ने एसएसपी से की गई शिकायत पर बेटे और बहूओं के खिलाफ कोतवाली सुरीर में माला दर्ज हो सका है। गांव भदनवारा निवासी मोहन सिंह के पास गांव में सब कुछ था। मोहन सिंह और उसकी पत्नी माया देवी गांव में बड़े आराम से रह रही थी। गांव में उसके पास खेती बाड़ी होने के साथ–साथ दो पक्के मकान, तीन ट्रैक्टर ट्रॉली, एक बोलेरो गाड़ी भी है। उनके पुत्र पवन तथा प्रमोद और उन दोनों की पत्नियों ने उसकी पत्नी माया देवी को मारपीट कर घायल कर दिया और सारी संपत्ति को अपने कब्जे में कर लिया।

घायल माया देवी को अस्पताल ले जाया गया था। अब उनके पास न खाने को भोजन है और न रहने को कोई स्थान। इस मामले में जब एसएसपी से मोहन सिंह ने शिकायत की तो एसएसपी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए बेटे और बहुओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। एसएसपी के आदेश पर कोतवाली सुरीर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति घायल

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा नगर क्षेत्र में कल शाम लगभग 08:15 बजे एक अज्ञात वाहन ने मुनेन्द्र कुमार (45) पुत्र बाबूलाल को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उनके सिर, हाथ व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घायल मुनेन्द्र कुमार मथुरा के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने निःशुल्क 108 आपात सेवा पर कॉल किया। कॉल मिलते ही एंबुलेंस के पायलट मनीष समय पर घटनास्थल पर पहुंचे। ईएमटी अनुज ने घायल को एंबुलेंस में शिफ्ट कर प्राथमिक उपचार देते हुए ड्रेसिंग कर रक्तस्राव को रोका। इसके बाद एंबुलेंस को जिला अस्पताल मथुरा के लिए रवाना किया गया। रास्ते में ईएमटी ने वाइटल जांच कर ईआरसीपी डॉक्टर सत्याजी की सलाह से दर्द निवारक इंजेक्शन दिया, जिससे मरीज को राहत मिली। जिला अस्पताल में सुरक्षित भर्ती के बाद परिजनों ने 108 कर्मियों के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

उठावनी

स्व. श्रीमती उषा अग्रवाल
अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्य माताजी श्रीमती उषा अग्रवाल (पत्नी स्व. कैलाश नाथ अग्रवाल) का गोलोकवास दिनांक 07.02.2026 दिन (शनिवार) को हो गया है।
उठावनी (आज) दिनांक 09.02.2026 दिन (सोमवार) को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक अग्रवाटिका मसानी बाईपास लिंक रोड, मथुरा पर होगी।
-: शोकाकुल :-
सोमनाथ अग्रवाल- उषा अग्रवाल (जेठ-जेठानी)
हरिओम अग्रवाल-सुमन अग्रवाल (देवर-देवरानी)
हरिओम गोयल-शशि गोयल (नन्द-नंदोई)
पूजा अग्रवाल- जय अग्रवाल (भतीजी- दामाद)
हिमांशु अग्रवाल, मनीष अग्रवाल
आशीष अग्रवाल (भतीजे)
सौरभ अग्रवाल-संध्या अग्रवाल
देवान्शु अग्रवाल (मोनू रंगेश्वर)-रुबल अग्रवाल (महानगर अध्यक्ष हिन्दु युवा वाहिनी) (पुत्र-पुत्रवधू)
शिखा गोयल-अमित गोयल (पुत्री-दामाद)
शौर्य अग्रवाल, देवान्श अग्रवाल
स्वर अग्रवाल (पौत्र)
तक्ष्वी अग्रवाल, धनुश्री अग्रवाल (पौत्री)
नमित गोयल, उमंग गोयल (धेवते)
रुहानिका, हर्षिका (धेवती)
फर्मः- ★ श्री कृष्णा कॉर्पोरेशन, फोर नाइन सिल्वर हाउस
★ डी. आर. एस. एन. इन्फ्राटेक प्रा. लिमिटेड, मथुरा।
★ अग्रवाल टेन्ट हाउस, मथुरा
मायका पक्ष- गिर्राज अग्रवाल (भाई),पंकज अग्रवाल, साकेत अग्रवाल (भतीजे)
किरोडी गिर्राज प्रसाद बजाज (अलवर)

मांट विधायक ने सड़क हादसे में घायल युवक को पहुंचाया अस्पताल

निभाया मानवता का फर्ज

यूनिक समय, मथुरा। मांट क्षेत्र के विधायक भूतेश्वर के समीप बाइक सवार युवक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा था, लेकिन वहां से गुजर रहे लोग मदद करने से कतराते रहे। इसी दौरान मांट विधायक राजेश चौधरी वहां से गुजर रहे थे। विधायक ने घायल युवक को देखकर तुरंत अपनी गाड़ी को रुकवाया और स्वयं युवक को उठाकर अपनी गाड़ी से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू कराया गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने विधायक के इस कदम की सराहना की और उन्हें बधाई दी। विधायक प्रतिनिधि जसवंत सिंह ने बताया कि घायल युवक सड़क पर पड़ा था, लेकिन किसी ने उसे अस्पताल पहुंचाने की पहल नहीं की।

विधायक ने लोगों से कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को देखकर मुंह नहीं मोड़े, बल्कि उसकी मदद करें, ताकि समय पर इलाज मिल सके और किसी की जान बचाई जा सके। राहगीरों ने विधायक को नेता नहीं, जनता का सच्चा सेवक बताया और कहा कि समाज को ऐसे ही जनसेवकों की आवश्यकता है।

नर्सरी से कक्षा 8 तक के विद्यालयों का समय बदला

यूनिक समय, मथुरा। शीतलहर, घने कोहरे को देखते हुए जनपद के विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया गया था। अब मौसम सही होने के कारण समय में परिवर्तन किया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के समस्त परिषदीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 8 तक, के सभी बोर्डों के विद्यालयों का समय प्रातः 9:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक होगा।

महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ धाम के लिए प्रसाद–यात्रा रवाना

शोभायात्रा में प्रसाद ले जाते हुए श्रीकृष्ण जन्म स्थान के सचिव कपिल शर्मा और गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी एवं अन्य लोग।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा–संस्थान की ओर से काशी विश्वनाथ धाम, वाराणसी के लिए प्रसाद–यात्रा रवाना किया गया। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि आज सुबह भगवान श्रीकृष्ण जन्मभूमि से शोभायात्रा के रूप में यात्रा निकाली गई। इस प्रसाद–यात्रा के माध्यम से फलहारी लड्डू, फल, मेवे, भगवान शिव और माता गौरी के वस्त्र, माता का श्रृंगार, आभूषण सहित अन्य पूजन सामग्री भेजी गई। यह सभी प्रसाद महाशिवरात्रि के दिन काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ को अर्पित किए जाएंगे। ढोल, मृदंग, मंजीरे और बैंड–बाजों की मधुर ध्वनि के साथ शोभायात्रा अन्नपूर्णेश्वर महादेव से शुरू हुई। यह यात्रा भगवान श्रीकेशवदेव, मां योगमाया और श्री गर्भगृह से होते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य द्वार पर पहुंची। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। भक्तों ने जयघोष किया और पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इसके बाद श्रद्धालुओं की मौजूदगी में प्रसाद–यात्रा काशी विश्वनाथ धाम, वाराणसी के लिए रवाना हुई। पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा। संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने कहा कि ब्रज की पवित्र भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से काशी के लिए भेजा गया संस्थान की प्रबंधन समिति के सदस्य रोशन लाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम और भगवान शिव सनातन धर्म के आधार हैं। इस मौके पर संस्थान के उप प्रबंधक अनुराग पाठक, प्रभारी जनसंपर्क विजय बहादुर सिंह, मंदिर के पूजारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर क्षेत्र स्थित लक्ष्मीनगर इलाके में रहने वाली एक महिला ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का पता लगने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना गोविंदनगर क्षेत्र की बिरला मंदिर चौकी क्षेत्र स्थित लक्ष्मीनगर इलाके में रहने वाले कन्हैया सैनी की पत्नी सुमन ने आज दोपहर को अपने कमरे को अंदर से बंद करने के बाद फांसी लगा ली। परिवार के लोगों ने जब कमरे को खुलवाने का प्रयास किया तो कमरे से किसी तरह की कोई आवाज नहीं आई। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का अंदर से बंद दरवाजे को खुलवा कर फांसी के फंदे पर लटक रहे महिला के शव को उतरवाने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वृंदावन के हिंदू सम्मेलन में जोश

कलयुग में हिन्दुओं का संघ ही शक्ति बनेगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। रंग जी के बगीचा में समग्र हिन्दू चेतना समिति के बैनर तले हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत माता के चित्रपट पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पुंडरीकाक्ष देव पाठक तथा कीरती बल्लभ देव पाठक ने गीत प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता बृज प्रांत प्रचारक धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने सौ वर्ष में हिन्दुओं की आत्मा को जगाकर एक कर दिया। सौ वर्ष के परिश्रम से अब हिन्दू एक जुट होने लगा है। साथ–साथ मिलकर चलने का प्रयास हो रहा है। कलयुग में हिन्दुओं का संघ ही शक्ति बनेगा। हिन्दुओं का संगठित होकर चलने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि संत रितेश्वर महाराज ने कहा कि हिन्दू सम्मेलन गर्व का विषय है। जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने सोमनाथ के मंदिर का उदाहरण दिया। यहां भी हिन्दू संगठन की आवश्यकता है। हिन्दू संगठन का समर्थन करना चाहिए। हिन्दू संगठन में पूरे समाज को आना चाहिए। राष्ट्र की समस्याओं को दूर करने एवं देश संकट में आता है। हिन्दू समाज को एकजुट करना ही अपना उद्देश्य है। अब हिन्दू जागृत हो रहा है। संघ के लोग चलते फिरते संत हैं। सादा वेश में संत हैं। संघ का कार्यकर्ता होना गर्व की बात है संघ की रक्षा अपने परिवार की रक्षा करना है। आशीर्वचन देते हुए ध्यानमूर्ति देवी जी ने कहा कि संघ के लोग राष्ट्र कार्य के लिए हैं। हम सब हिन्दुओं को मिलकर रहना चाहिए।

हिंदू सम्मेलन में संत रितेश्वर महाराज को स्मृति चिन्ह भेंट करते नवीन चौधरी व विनय शर्मा।

यूपी महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान ने कहा कि पहले हमें अपने परिवार से ही कार्य करना है। भारतीय संस्कृति पहचान है। यह माता ही संस्कार दे सकती है। भारत की महिलाओं को देवी माना जाता है। परिवार आज असुरक्षित है। मोबाइल से सावधान रखना है। इससे पहले देशभक्ति, शहीद, लवजेहाद पर नाटक प्रस्तुत किए। वृंदावन नगर की 2000 मातृशक्ति कलश लेकर पहुंची। संचालन नृत्य गोपाल दुबे ने किया। इस अवसर पर केशव धाम निदेशक ललित कुमार, उपसभापति मुकेश सारस्वत, विभाग प्रचारक पारस पार्थ, विजय राघव, योगेश द्विवेदी विश्वनाथ गुप्ता, जिला प्रचारक कुशअवतार ,कृष्णकांत जोशी, अंकित कुमार, कृपाल सिंह, लक्ष्मण सर्राफ, दासबिहारी अग्रवाल, अरुण दीक्षित, संजय पाण्डेय, नवीन चौधरी, माधव सर्राफ, पंकज अरोड़ा, पार्षद वैभव अग्रवाल, केसी विनय शर्मा, प्रवीण सर्राफ, पंकज, लवसक्सेना, प्रेम शंकर वैद्य, अवध बिहारी मिश्रा, विहिप पवन शर्मा, मंत्री गिर्राज शर्मा, बच्चू सिंह, नितिन शर्मा, विनोद बनर्जी, योगेश गौतम, शरद सर्राफ, प्राण वल्लभ दुबे, जितेन्द्र वार्ष्णेय, विनित शर्मा, हरिशंकर यादव, लक्ष्मी गौतम, पूजा चौधरी, वंदना अरोड़ा, महिमा अरोड़ा, सजनी देवी, प्रीति शर्मा, आरती चतुर्वेदी, सुनीता शर्मा, कृष्णा चौधरी एवं शशि शुक्ला ने भाग लिया।

मौसम बदलते ही गर्म कपड़ों पर छूट

ग्राहक उठा रहे हैं फायदा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। फरवरी माह में मौसम के अचानक बदले मिजाज का सीधा असर शहर के बाजारों में दिखाई दे रहा है। ठंड कम होते ही गरम कपड़ों की दुकानों पर भारी छूट दी जा रही है। व्यापारियों ने जैकेट, स्वेटर, कोट, मफलर सहित अन्य ऊनी वस्त्रों पर पचास प्रतिशत तक की छूट लगा दी है। इस कारण बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ गई है और ग्राहक इस अवसर का पूरा लाभ उठा रहे हैं। ग्राहकों का कहना है कि सर्दी भले ही कम हो गई हो, लेकिन आगे ठंड के मौसम में जरूरत को देखते हुए अभी खरीदारी करना ज्यादा फायदा होता है। इस समय छूट में कपड़े ले लिए जाएं तो अगली सर्दियों में महंगे दाम चुकाने से बचा जा सकता है। ग्राहक उमेश कुमार ने बताया, हर साल यही अनुभव रहता है कि सर्दियों में कपड़ों के दाम बहुत बढ़ जाते हैं। अभी पचास प्रतिशत की छूट मिल रही है। इसलिए अगले साल के लिए पहले ही खरीदारी कर रहे हैं। इससे बजट पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ता और अच्छे कपड़े मिल जाते हैं। ग्राहक सीमा वर्मा ने कहा, बच्चों के कपड़े हर साल नए लेने पड़ते हैं। अभी सेल में जैकेट और स्वेटर सस्ते मिल रहे हैं। इसलिए समय रहते ले रही हूं। बाद में यही सामान बिना छूट के लेना मुश्किल हो जाता है। ग्राहक आकाश का कहना था कि इस समय दुकानों पर काफी वैरायटी उपलब्ध है और दाम भी कम हैं। कम पैसों में अच्छी क्वालिटी मिल रही है, इसलिए यह खरीदारी का सही समय है। ग्राहक पूजा सिंह ने बताया, "घर के सभी सदस्यों के लिए गरम कपड़े लेने का विचार है। अगले साल सर्दी आने पर फिर से बाजार महंगे कपड़ो की जरूरत नहीं पड़ेगी। ग्राहक विनोद कुमार ने कहा, छूट के कारण एक कपड़े की कीमत में दो कपड़े मिल रहे हैं। आम आदमी के लिए इससे अच्छा मौका और क्या हो सकता है। ग्राहक नेहा बताया, मौसम भले बदल गया हो, लेकिन यह सेल हमारे लिए फायदेमंद है। पहले से तैयारी हो जाती है और पैसे भी बचते हैं। वहीं सैल स्वामी मानक वर्मा ने बताया कि इस वर्ष ठंड कम पड़ने से बिक्री में काफी कमी आ जाती है। उन्होंने कहा कि यदि अभी माल नहीं निकला तो अगले सीजन तक उसे रोकना पड़ेगा, इसलिए कम दाम पर बिक्री करना जरूरी हो गया है।

जीएलए के छात्रों को साइबर सिक्योरिटी में अंतरराष्ट्रीय शोध उपलब्धि

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय ने साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय की साइबर सिक्योरिटी लैब के स्नातक छात्रों ने "स्टेल्थफिशर फिशिंग अटैक डेटासेट" नामक एक बड़े पैमाने का फिशिंग यूआरएल डेटासेट विकसित कर प्रकाशित किया है। बढ़ते साइबर अटैक्स और डिजिटल खतरों के बीच यह डेटासेट वैश्विक शोध समुदाय के लिए अत्यंत उपयोगी माना जा रहा है। इस शोध परियोजना का नेतृत्व सहायक प्रोफेसर डॉ. अरविंद प्रसाद ने किया। उन्होंने शोध कार्य के दौरान तकनीकी मार्गदर्शन, दिशा और निरंतर निगरानी प्रदान की। उनका उद्देश्य था कि छात्र केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि वास्तविक साइबर सिक्योरिटी चुनौतियों पर आधारित इंडस्ट्री-लेवल सॉल्यूशंस विकसित करें। यह डेटासेट मेंडेली डेटा और आईईईई डेटापोर्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय शोध प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है, जहां से दुनियाभर के शोधकर्ता इसे डाउनलोड कर उपयोग कर रहे हैं। यह कार्य

जीएलए विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों के साथ हैं कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता। साथ हैं विभाग के पदाधिकारीगण।

प्रतिष्ठित क्यू1 एससीआईई जर्नल एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लिकेशन्स (एल्सेवियर) में प्रकाशित शोध पत्र "स्टेल्थफिशर ए डिफेंसिव फ्रेमवर्क अगेंस्ट फिशिंग अटैक यूजिंग हाइब्रिड डीप लर्निंग एंड जेनएआई" का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर 7.5 है। इस परियोजना पर साइबर सिक्योरिटी एंड फॉरेंसिक्स के पांच छात्रों विभू यादव, चिराग सोलंकी, हर्षित गोस्वामी, तनमय झा और दुष्यंत नागल ने अपने दूसरे सेमेस्टर से ही कार्य शुरू किया। छात्रों को डेटा कलेक्शन, फीचर इंजीनियरिंग, रियल-टाइम यूआरएल स्क्रैपिंग, ऑटोमेशन, डीप लर्निंग मॉडलिंग, मॉडल वैलिडेशन और साइंटिफिक राइटिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। शोध के दौरान छात्रों ने लाखों वैध और दुर्भावनापूर्ण यूआरएल एकत्र किए, जिन्हें ऑटोमेशन पाइपलाइन के माध्यम से प्रोसेस कर एक सुव्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता वाला डेटासेट तैयार किया गया। स्वतंत्र अध्ययनों और मौजूदा सार्वजनिक डेटासेट्स की तुलना में स्टेल्थफिशर डेटासेट को दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक फिशिंग डेटासेट्स में से एक माना जा रहा है। इस उपलब्धि में जीएलए विश्वविद्यालय के प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग मॉडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसे आईईटी डीन प्रो. अशोक भंसाली के नेतृत्व में संस्थान में प्रभावी रूप से लागू किया गया है। उनका विजन है कि छात्र केवल नौकरी और पैकेज तक सीमित न रहें, बल्कि शोधकर्ता, नवाचारकर्ता और वास्तविक समस्याओं का समाधान करने वाले प्रोफेशनल बनें। यही सोच छात्रों को उच्च स्तरीय शोध और अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों की ओर प्रेरित कर रही है। इस शोध को सफल बनाने में सीईए विभागाध्यक्ष डॉ.

जीएलए के छात्रों ने तैयार किया बड़े पैमाने का फिशिंग यूआरएल डेटासेट, क्यू1 एससीआईई जर्नल में अहम शोध प्रकाशित

संदीप राठौर और साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ डॉ. आशीष तिवारी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने अत्याधुनिक लैब सुविधाएं, हाई-परफॉर्मेंस सर्वर और डेटा एनालिटिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जीएलए विश्वविद्यालय की शोध-उन्मुख शिक्षा, तकनीकी उत्कृष्टता और नवाचार संस्कृति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह शोध कार्य न केवल अकादमिक जगत, बल्कि साइबर सिक्योरिटी कंपनियों, सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर्स और एआई-आधारित सुरक्षा समाधान विकसित करने वाले इंजीनियर्स के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

जिले में सीटेट परीक्षा 27 केंद्रों पर हुई

42 हजार से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) 7 एवं 8 फरवरी को हुई। इसमें जिले के 27 परीक्षा केंद्रों पर 42565 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। 7 फरवरी को सीटेट परीक्षा दो पालियों में हुई। प्रथम पाली सुबह 9 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजे तक हुई, जिसमें 11 306 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। द्वितीय पाली दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से शाम 5 बजे तक हुई, जिसमें 8 921 अभ्यर्थी शामिल हुए। रविवार को भी परीक्षा 27 केंद्रों पर दो पालियों में कराई गई।

प्रथम पाली में 13140 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। द्वितीय पाली में 9198 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई थीं। सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती रही तथा केंद्र व्यवस्थापकों और पर्यवेक्षकों द्वारा सतत निगरानी की गई। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। नोडल ऑफीसर डीपीएस के प्रधानाचार्य शैलेंद्र सिंह ने बताया कि सीटेट परीक्षा जनपद में पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और किसी भी केंद्र से कोई गंभीर शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

पेपर सही हुआ, अब परिणाम का इंतजार

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में आज हुई केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा में हजारों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले तो उनके चेहरों पर अलग-अलग भाव नजर आए। कुछ छात्र खुश दिखाई दिए तो कुछ थोड़े चिंतित भी नजर आए। यूनिक समय की टीम ने एक स्कूल से बाहर निकल रहे छात्रों से बातचीत की और उनके अनुभव जाने। काजल ने बताया कि उनका पेपर बहुत अच्छा हुआ है। उन्होंने कहा कि वह पिछले दो साल से सीटेट की तैयारी कर रही थीं। तैयारी के अनुसार ही प्रश्न आए। पेपर हल करने में उन्हें कोई खास परेशानी नहीं हुई। अर्चना ने कहा कि उनका पेपर ठीक हुआ है। उन्होंने बताया कि सभी विषयों के प्रश्न सामान्य थे, लेकिन हिंदी के कुछ प्रश्न थोड़े कठिन लगे। फिर भी उन्होंने सभी सवाल हल करने की कोशिश की। प्रियंका सिंह ने बताया कि इस बार सीटेट का पेपर सही स्तर का था। उनके अनुसार पेपर न ज्यादा कठिन था और न ज्यादा आसान। जो छात्र नियमित पढ़ाई करते हैं, उनके लिए पेपर आसान रहा। उन्होंने कहा कि प्रश्न समझने में ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। सीमा ने बताया कि सीटेट का पेपर अच्छा आया है। उन्होंने पहले से पूरी तैयारी की थी। इसी कारण परीक्षा के दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

सीटेट परीक्षा देने आए अभ्यर्थी बोले...

उन्होंने शांत मन से पेपर दिया और समय से पहले ही पूरा कर लिया। सुनील कुमार ने बताया कि उन्होंने हाल ही में सीटेट की तैयारी शुरू की है। इस कारण उनका पेपर बहुत अच्छा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि कुछ प्रश्न समझ में नहीं आए, लेकिन यह परीक्षा उनके लिए अनुभव देने वाली रही। गोपाल ने भी पेपर को अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि तैयारी के अनुसार ही प्रश्न आए थे। परीक्षा केंद्र पर माहौल शांत रहा और व्यवस्था भी अच्छी थी। अब परिणाम का इंतजार है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को मुफ्त दवा खिलाई जाएगी

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को कृमि (पेट के कीड़े) से बचाव की दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी। जो बच्चे किसी कारणवश इस दिन दवा नहीं ले पाएंगे, उन्हें 13 फरवरी को मोप-अप डे के रूप में दवा दी जाएगी। नोडल अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस हर वर्ष 10 फरवरी और 10 अगस्त को मनाया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को कृमि रोग से बचाना है। उन्होंने बताया कि यह दवा एक वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को खिलाई जाती है। जनपद में इस बार करीब 14 लाख 16 हजार बच्चों को दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से छूट न जाए। उन्होंने बताया कि एक वर्ष से दो वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली दी जाएगी, जबकि दो वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को पूरी गोली खिलाई जाएगी। दवा खाने से पेट के कीड़े नष्ट हो जाते हैं और बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास सही तरीके से हो पाता है। उन्होंने बताया कि जो बच्चे स्कूल नहीं

जिले के स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों पर 14 लाख से अधिक बच्चों को एल्बेंडाजोल की खुराक का लक्ष्य

13 फरवरी को मोप-अप डे

जाते हैं, उनके लिए नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्रों पर दवा खिलाने की व्यवस्था की गई है। डीसीपीएम डॉ. पारूल शर्मा ने बताया कि कृमि रोग गंदे पानी, दूषित भोजन और साफ-सफाई की कमी के कारण फैलता है। पेट के कीड़े बच्चों की आंतों में जाकर चिपक जाते हैं, जिससे बच्चों में कमजोरी, खून की कमी, पेट दर्द और पढ़ाई में मन न लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसका सबसे अधिक असर बच्चों के स्वास्थ्य और विकास पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि साल में दो बार दवा इसलिए दी जाती है, ताकि यदि पहले चरण में कुछ कीटाणु बच जाएं तो उन्हें भी खत्म किया जा सके। इससे बच्चे पूरी तरह स्वस्थ रह सकें।

देशभक्ति के रंग में रंगा ग्राम नरी

सेवानिवृत्त फौजी देवेंद्र सिंह का स्वागत

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील क्षेत्र के गांव नरी में उस वक्त राष्ट्रप्रेम का सैलाब उमड़ पड़ा, जब भारतीय सेना में 20 वर्षों तक सेवा देने के बाद देवेंद्र फौजी अपने पैतृक निवास लौटे। ग्रामीणों ने उनके सम्मान में समारोह आयोजित किया, जिसमें भक्ति और शक्ति का अदभुत संगम देखने को मिला। मुख्य अतिथि मौनी बाबा (कोटवन वाले), महामंडलेश्वर परमेश्वर दास त्यागी जी महाराज, विशिष्ट अतिथि राधे बाबू,भानु प्रताप सिंह और पदम फौजी (प्रतिनिधि, चेयरमैन बरसाना), बाबा झब्बू उर्फ राजपाल, डॉ.राजवीर, अजय सिंह, यशपाल मास्टर एवं

सेवानिवृत फौजी देवेंद्र सिंह का स्वागत करते संत।

अशोक शेखर पहलवान राजेश पहलवान थे। संतों और अतिथियों ने देवेंद्र फौजी को स्मृति चिह्न भेंट कर माला पहनाई। ऑपरेशन सिंदूर के नायक रहे देवेंद्र मीडिया से वार्ता करते हुए भावुक नजर आए। उन्होंने बताया कि सेना के 20 साल के कार्यकाल के दौरान उन्हें देश की सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण मिशनों का हिस्सा बनने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने विशेष रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे कठिन और बड़े ऑपरेशनों का जिक्र किया, वर्दी उतारना केवल सेवा का अंत नहीं है, बल्कि समाज सेवा की एक नई शुरुआत है।

वह चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र का हर युवा नशे से दूर रहकर सेना में भर्ती हो और देश की रक्षा में अपना योगदान दे। गाँव के बुजुर्गों और युवाओं का कहना है कि देवेंद्र फौजी की वापसी से स्थानीय युवाओं में सेना के प्रति जोश बढ़ेगा। वे अब क्षेत्रीय युवाओं को सेना में भर्ती होने के लिए मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देकर उनके प्रेरणा स्त्रोत बनेंगे।

यूजीसी के नए नियम वापस न होने तक होगा आंदोलन

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में पंचायत को संबोधित करते वक्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज मंडल क्षत्रिय राजपूत सभा एवं सवर्ण संगठनों ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ गांव भुड़रसू पोस्ट भैंसा रिफाइनरी में पंचायत की। मुख्य वक्ता ब्रजमंडल क्षत्रिय राजपूत सभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिंह सिकरवा ने सभी सवर्ण समाज से मिलकर यूजीसी का विरोध किया। ऐलान किया कि काले कानून के वापस न होने पर विरोध करेंगे और आंदोलन करेंगे। अध्यक्षता ग्राम भैंसा के प्रधान जगन्नाथ ने की। संचालन प्रभु प्रधान बामौली ने किया। इस अवसर ठाकुर भरत सिंह गौर, हुकम सिंह, डॉ. जगदीश सिंह गौर, जीतपाल तरकर प्रधान बेरी, सौरभ एडवोकेट, सुरेंद्र सिंह जैतपुर आदि उपस्थित थे।

आंखों की रोशनी कैसे रखें बरकरार

योग, आयुर्वेद और लाइफस्टाइल से मजबूत बनाएं नजर को

यूनिक समय, नई दिल्ली । आज की डिजिटल लाइफस्टाइल में आंखों की सेहत सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। मोबाइल, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन पर लगातार समय बिताने से कम उम्र में ही चश्मा लगना आम समस्या बन चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार आंखें न केवल देखने का माध्यम हैं, बल्कि शरीर की कई बीमारियों के संकेत भी देती हैं। आंखों में बदलाव शुगर, हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और ऑक्सीजन लेवल की कमी जैसी समस्याओं की ओर इशारा कर सकते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) में हाल ही में विकसित की गई एक तकनीक रेटिना की नसों को ट्रैक कर आंखों से जुड़ी बीमारियों की पहचान करने में मदद कर सकती है। देश में कैटरेक्ट, मायोपिया, ड्राई आई सिंड्रोम और ग्लूकोमा जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर बार–बार धुंधला दिखे, सिरदर्द बना रहे या रात में रोशनी आंखों में चुभे, तो यह ग्लूकोमा के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। खासतौर पर डायबिटीज मरीजों में इसका खतरा ज्यादा होता है। योग गुरु स्वामी रामदेव के अनुसार, आंखों की रोशनी को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। सबसे पहले जरूरत है स्क्रीन टाइम को सीमित करने की। साथ ही, योग और आयुर्वेदिक उपाय आंखों की सेहत के लिए सहायक हो सकते हैं। गाजर, शकरकंद, आंवला, स्ट्रॉबेरी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर फलों और सब्जियों को डाइट में शामिल करने से आंखों को जरूरी विटामिन मिलते हैं। आंखों की मजबूती के लिए नियमित प्राणायाम भी फायदेमंद माना जाता है। अनुलोम–विलोम और भ्रामरी प्राणायाम सुबह–शाम करने से आंखों में रक्त संचार बेहतर हो सकता है। इसके अलावा आयुर्वेद में बताए गए कुछ घरेलू उपाय, जैसे बादाम, सौंफ और मिश्री का पाउडर रात में दूध के साथ लेना, आंखों की थकान को कम करने में मदद कर सकता है। विशेषज्ञ यह भी चेतावनी देते हैं कि मोबाइल की लत से बेचैनी, चिड़चिड़ापन और आंखों की कमजोरी तेजी से बढ़ रही है, खासकर बच्चों में। ऐसे में समय पर सावधानी, संतुलित आहार और नियमित योग अभ्यास से आंखों की रोशनी को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

सर्दियों की मिठास

गाजर नहीं, हरी मटर से बनाएं झटपट और हेल्दी हलवा

यूनिक समय, मथुरा। सर्दियों के मौसम में हलवे की बात हो और कुछ नया ट्राई न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है। अब तक आपने गाजर का हलवा तो कई बार खाया होगा, लेकिन क्या कभी हरी मटर का हलवा चखा है? अगर नहीं, तो इस बार मीठे में कुछ अलग और पौष्टिक बनाने के लिए मटर का हलवा जरूर ट्राई करें। यह स्वाद में लाजवाब होने के साथ–साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

हरी मटर में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने का काम करते हैं। मटर का हलवा कम समय में तैयार हो जाता है और इसे बनाने की विधि

भी बेहद आसान है। इसके लिए ज्यादा सामग्री या लंबा समय नहीं चाहिए। मटर का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले ताजी हरी मटर को छीलकर उबाल लिया जाता है। इसके बाद उबली हुई मटर को अच्छी तरह मसलकर या पीसकर स्मूद पेस्ट तैयार किया जाता है। अब एक पैन में देसी घी गर्म करें और उसमें कटे हुए बादाम व पिस्ता को हल्का सुनहरा होने तक भून लें। इसके बाद उसी पैन में मटर का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर भूनें, जिससे मटर का कच्चापन खत्म हो जाए। जब मिश्रण अच्छे से भुन जाए, तो इसमें चीनी मिलाकर लगातार चलाते हुए पकाएं। कुछ ही मिनटों में हलवा गाढ़ा होने लगेगा। आखिर में इलायची पाउडर मिलाकर खुशबू और स्वाद को और बढ़ाया जा सकता है। हलवे से जब अच्छी खुशबू आने लगे, तो समझ लें कि यह परोसने के लिए तैयार है।

गार्निशिंग के लिए ऊपर से ड्राई फ्रूट्स डालें और गरमागरम मटर का हलवा सर्व करें। यकीनन इसका अनोखा स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा। साथ ही यह मिठाई स्वाद के साथ सेहत का भी पूरा ध्यान रखती है।

बाथरूम की टाइल्स पर जमी जिद्दी गंदगी होगी चुटकियों में साफ

यूनिक समय, मथुरा । घर में बाथरूम की साफ–सफाई सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद जरूरी होती है। गंदा बाथरूम बैक्टीरिया और कीटाणुओं का सबसे बड़ा अड्डा बन सकता है, जिससे पेट से जुड़ी बीमारियां, बुखार और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अधिकतर लोग रोज़ाना बाथरूम साफ करते हैं, फिर भी टाइल्स पर साबुन की परत, पानी के पीले दाग और काई जम जाती है, जो देखने में बेहद खराब लगती है। कई बार महंगे क्लीनर भी इन जिद्दी दागों के सामने बेअसर साबित होते हैं।

अगर आपकी बाथरूम टाइल्स भी अपनी चमक खो चुकी हैं, तो अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू नुस्खों की मदद से आप मिनटों में टाइल्स को दोबारा चमका सकते हैं, वो भी बिना ज्यादा मेहनत और केमिकल के इस्तेमाल के। बेकिंग सोडा का पेस्ट टाइल्स की सफाई में काफी कारगर माना जाता है। इसके लिए बेकिंग सोडा में थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं और दागों पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर धो लें, टाइल्स साफ नजर आने

अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

लगेंगी। सिरका और पानी का मिश्रण भी बेहतरीन क्लीनर की तरह काम करता है। बराबर मात्रा में सिरका और पानी मिलाकर स्प्रे करें और कुछ मिनट बाद साफ कर लें। इससे टाइल्स पर जमी चिकनाहट और दाग आसानी से हट जाते हैं। जिद्दी पानी के निशान और साबुन की परत हटाने के लिए नींबू भी काफी असरदार है। नींबू को काटकर सीधे टाइल्स पर रगड़ें और फिर पानी से धो दें। अगर टाइल्स पर काई या फफूंदी ज्यादा हो गई हो, तो ब्लीचिंग पाउडर या लिक्विड का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे टाइल्स साफ होने के साथ–साथ कीटाणु भी खत्म होते हैं। वहीं फर्श की सफाई के लिए गर्म पानी में वॉशिंग पाउडर मिलाकर पोंछा लगाएं। जोड़ और कोनों की गंदगी हटाने के लिए पुराने टूथब्रश का इस्तेमाल करें। इन आसान उपायों से आपका बाथरूम फिर से साफ और चमकदार नजर आएगा।

साहसिक पर्यटन को नई उड़ान

उत्तराखंड में पर्वतारोहण के लिए खुलीं हिमालय की 83 प्रमुख चोटियां

यूनिक समय, नई दिल्ली । देवभूमि उत्तराखंड ने साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए ट्रैकिंग और पर्वतारोहण प्रेमियों को बड़ी सौगात दी है। राज्य सरकार ने हिमालय क्षेत्र की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण अभियानों के लिए खोल दिया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) ने वन विभाग के सहयोग से यह निर्णय लागू किया है, जिससे उत्तराखंड को वैश्विक पर्वतारोहण मानचित्र पर मजबूत पहचान मिलने की उम्मीद है।

पर्वतारोहण के लिए खोली गई इन चोटियों की ऊंचाई 5,700 मीटर से लेकर 7,756 मीटर तक है। इनमें कामेट, नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा और त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली और नीलकंठ जैसी विश्व प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण चोटियां शामिल हैं। ये शिखर न केवल तकनीकी कठिनाइयों के लिए जाने जाते हैं, बल्कि हिमालय की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता का भी प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पहल को राज्य के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि हिमालय उत्तराखंड की पहचान और विरासत है। इन चोटियों को पर्वतारोहण के लिए खोलने का उद्देश्य भारतीय युवाओं को साहसिक खेलों की ओर प्रोत्साहित करना, पर्यटन को बढ़ावा देना और सीमावर्ती व दूरदराज के इलाकों की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा मानकों से किसी

तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार ने भारतीय पर्वतारोहियों को बड़ी राहत देते हुए 83 अधिसूचित चोटियों पर लगने वाले पीक फीस, कैंपिंग फीस और पर्यावरण शुल्क को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। पहले ये शुल्क भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) और वन विभाग द्वारा लिए जाते थे, लेकिन अब इनका भार राज्य सरकार उठाएगी। इससे आर्थिक कारणों से पीछे रह जाने वाले युवाओं को पर्वतारोहण का अवसर मिलेगा।

विदेशी पर्वतारोहियों के लिए भी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब उन पर लगने वाले अतिरिक्त राज्य स्तरीय शुल्क को हटा दिया गया है और उन्हें केवल अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्धारित शुल्क ही देना होगा। इससे उत्तराखंड की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता बढ़ने की संभावना है।

सभी पर्वतारोहण अभियानों के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। उत्तराखंड माउंटेनियरिंग परमिशन सिस्टम (यूकेएमपीएस) के जरिए पारदर्शी और तेज अनुमति प्रणाली लागू की गई है।

इस फैसले से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। गाइड, पोर्टर, होमस्टे, परिवहन और अन्य सेवाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पलायन पर भी अंकुश लगेगा। कुल मिलाकर यह कदम उत्तराखंड के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला साबित हो सकता है।

सुविचार

महानता कभी ना गिरने में नही है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है.

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	11:09-08:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरा फाल्गुनी	03:27-01:34 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		07:12 AM	चन्द्रोदय	04:17 PM
सूर्यास्त		06:10 PM	चंद्रास्त	06:39 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त		12:09PM -12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:34-06:22
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		01:54 AM-03:16 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

महाशिवरात्रि 15 फरवरी को, दुर्लभ योग में होगा शिव-पार्वती का पूजन

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत पावन और आध्यात्मिक महत्व रखने वाला माना जाता है। वर्ष 2026 में यह पर्व 15 फरवरी, रविवार को मनाया जाएगा। इस बार महाशिवरात्रि इसलिए भी खास है क्योंकि करीब 300 वर्षों बाद एक साथ 8 शुभ योगों का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिससे इस दिन की धार्मिक और ज्योतिषीय महत्ता और बढ़ गई है।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पावन रात्रि में भगवान शिव ने निराकार से साकार रूप धारण किया था और इसी दिन भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। इस पर्व को शिव और शक्ति के मिलन का प्रतीक भी माना जाता है। काशी के ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस वर्ष सूर्य, बुध और शुक्र का

त्रिग्रही योग बन रहा है। इसके साथ ही श्रवण नक्षत्र, व्यतिपात, वरियान, ध्रुव और राजयोग का महासंयोग भी बन रहा है, जो इसे अत्यंत फलदायी बनाता है। माना जाता है कि इस दिन व्रत, पूजन और साधना करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। द्रिक पंचांग के अनुसार, चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी 2026 को शाम 5:04 बजे प्रारंभ होकर 16 फरवरी को शाम 5:34 बजे समाप्त होगी। इसी कारण मुख्य पर्व 15 फरवरी को मनाया जाएगा, जबकि पारण 16 फरवरी को सुबह 6:33 बजे से दोपहर 3:10 बजे तक किया जा सकेगा।

महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है। पहला प्रहर शाम 6:11 से रात 9:23 बजे तक, दूसरा प्रहर रात 9:23 से 12:35 बजे तक, तीसरा प्रहर 12:35 से सुबह 3:47 बजे तक और चौथा प्रहर सुबह 3:47 से 6:59 बजे तक रहेगा। वहीं, निशिथ काल जो सबसे शुभ माना जाता है, 16 फरवरी की रात 12:09 से 1:01 बजे तक रहेगा। पूजा विधि में शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक, बेलपत्र, भांग, धतूरा, फल और मिठाई अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप, रात्रि जागरण और शिव पुराण का पाठ करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है ।

नए साल का व्रत-त्योहार कैलेंडर

- 13 फरवरी, दिन शुक्रवार : विजया एकादशी
- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

कल का राशिफल

मेष राशि: कोशिशें के परिणाम उम्मीद से बेहतर रहेंगे। पारिवारिक समारोह में शामिल होकर उत्साह और आनंद महसूस करेंगे। उच्च अधिकारियों से तालमेल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

वृषभ राशि: भावनात्मक रूप से परिपक्कनिर्णय लेकर स्थितियां को बेहतर तरीके से संभालने में सफल रहेंगे। व्यापार में नए विकल्प खुलेंगे। शेयर बाजार से दूरी बनानी होगी। वाहन के रखरखाव पर धन खर्च होगा।

मिथुन राशि: भावनात्मक रूप से परिपक्व निर्णय लेकर स्थितियां को बेहतर तरीके से संभालने में सफल रहेंगे। व्यापार में नए विकल्प खुलेंगे। शेयर बाजार से दूरी बनानी होगी। वाहन के रखरखाव पर धन खर्च होगा।

कर्क राशि: भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए व्यावसायिक सौदे आत्मविश्वास देंगे। योजनाओं को गुप्त रखना होगा। परिवार में मांगलिक कार्यों से संबंधित जिम्मेदारियां खर्च बढ़ा सकती हैं।

सिंह राशि: कल का दिन आपको अपने बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखने की सीख दे रहा है। कुछ लोग आपकी सफलता से जलन महसूस कर सकते हैं और आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना आवश्यक है।

कन्या राशि: चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करें लोगों को आगामी दिनों में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है। सजग रहे तो परिस्थितियों को अपने अनुसार नियंत्रित कर पाएंगे। वाणी पर संयम रखें, यात्रा टालें।

तुला राशि: आपकी एकाग्रता और परिश्रम को सहयोग मिला तो अभूतपूर्व सफलता के योग आगामी दिनों में प्राप्त हो सकते हैं। प्रयत्नों में ईमानदारी और संबंधों में एक निष्ठा की पालना से भविष्य में मानसिक शांति और स्थायित्व प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि: निकटवर्ती लोगों से संवाद में कठिनाई महसूस करेंगे। अपनी बात का सही मतलब समझना आसान नहीं रहेगा। अग्रिम भुगतान करने से बचना होगा। मेहनत का फल तुरंत मिलना कठिन रहेगा।

मकर राशि: लगातार परिश्रम से थकान और तनाव महसूस कर सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। प्रेम संबंधों में बातचीत या मुलाकात राहत देने वाली रहेगी। घर खरीदने या बदलने की संभावना बन रही है।

धनु राशि: आपकी सद्भावना को सम्मान मिलेगा। सामूहिक प्रयत्नों से प्राप्त लाभ को बांटने की जिम्मेदारी आप पर आ सकती है। साझेदारी व्यवसाय के लिए प्रस्ताव मिल सकते हैं। नई जॉब के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ राशि: आत्मविश्वास बढ़ा हुआ महसूस करेंगे। शैक्षणिक कार्य में रुचि बढ़ेगी। आकस्मिक धन लाभ के योग बन रहे हैं। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में लापरवाही करने से बचना होगा।

मीन राशि: अर्थव्यवस्था वर्तमान में स्थिर रहेगी। लेकिन आगामी योजनाओं के लिए धन जुटाने का तनाव रह सकता है। विरोधी अपनी योजनाओं को सफल करने के लिए गलत सूचनाओं का सहारा ले सकते हैं। सावधान रहना होगा।

चंद्रमा का नीच राशि में प्रवेश, 10 फरवरी की रात इन 3 राशियों को बरतनी होगी सावधानी

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक स्थिति का कारक ग्रह माना जाता है। जब चंद्रमा कमजोर स्थिति में गोचर करता है, तो इसका असर व्यक्ति के स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और मानसिक संतुलन पर पड़ सकता है। फरवरी माह में 10 तारीख की रात 1:11 बजे चंद्रमा तुला राशि से निकलकर अपनी नीच राशि वृश्चिक में प्रवेश करेंगे। यह गोचर कुछ राशियों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है, खासतौर पर सेहत और धन के मामलों में।

मेष राशि- मेष राशि वालों के लिए चंद्रमा का यह गोचर अष्टम भाव में होगा। यह भाव अचानक होने वाली परेशानियों और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का संकेत देता है। इस दौरान पेट, पाचन और तनाव से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं। खान-पान में

लापरवाही से बचें और भारी भोजन से दूरी बनाकर रखें। आर्थिक मामलों में भी सतर्कता जरूरी है। बिना सोचे-समझे निवेश या खर्च नुकसान का कारण बन सकता है। चंद्र मंत्रों का जप लाभकारी रहेगा।

मिथुन राशि- मिथुन राशि के जातकों के लिए चंद्रमा छठे भाव में गोचर करेंगे। इस समय विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, इसलिए कार्यस्थल की राजनीति से दूर रहना बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्दी, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। धन के मामले में संचित पूंजी को खर्च करने से बचें और लेन-देन में सावधानी बरतें। शिवलिंग पर जल अर्पित करना शुभ रहेगा।

धनु राशि- धनु राशि वालों के लिए चंद्रमा का गोचर द्वादश भाव में होगा। इस कारण मानसिक बेचैनी बढ़ सकती है और बनते हुए कार्यों में रुकावट आ सकती है। अनावश्यक खर्च बढ़ने के योग भी बन रहे हैं। यात्रा के दौरान सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। उधार देने या लेने से बचें। स्वास्थ्य को लेकर भी सतर्क रहें। दूध और दही का दान करना लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

शबरी जयंती : अटूट भक्ति, समर्पण और विश्वास का पावन पर्व

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में शबरी जयंती को निष्कलंक भक्ति, धैर्य और सच्चे विश्वास का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व माता शबरी की उस अद्भुत और निस्वार्थ भक्ति को समर्पित है, जिसने सामाजिक बंधनों और जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर भगवान श्रीराम की आराधना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को शबरी जयंती मनाई जाती है। वर्ष में यह पावन पर्व 8 फरवरी को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा।

माता शबरी का जीवन इस बात का उदाहरण है कि ईश्वर तक पहुंचने के लिए न तो वैभव चाहिए और न ही जटिल विधियां-केवल सच्चा भाव और अटूट श्रद्धा ही पर्याप्त है। =रामायण के अनुसार, माता शबरी ऋषि मतंग की शिष्या थीं और उन्होंने जीवन भर भगवान श्रीराम के दर्शन की प्रतीक्षा की। गुरुदेव के देहांत के बाद भी उन्होंने आश्रम नहीं छोड़ा और श्रीराम के आगमन की आशा में वर्षों तक तप, सेवा और भक्ति में जीवन बिताया। जब वनवास के दौरान भगवान श्रीराम माता सीता और लक्ष्मण के साथ शबरी के आश्रम पहुंचे, तो माता शबरी ने प्रेमवश पहले बेर स्वयं चखकर मीठे फल प्रभु को अर्पित किए। समाज की दृष्टि में यह अनुचित माना जा सकता था, लेकिन भगवान श्रीराम ने बिना किसी संकोच के उन्हें स्वीकार किया। इस प्रसंग से प्रभु ने यह संदेश दिया कि भक्ति में नियमों से अधिक भाव का महत्व होता है। यही कारण है कि शबरी जयंती को जाति-पाति, ऊंच-नीच और आडंबर से परे सच्ची श्रद्धा का पर्व कहा जाता है।

इस दिन भगवान श्रीराम की विशेष कृपा प्राप्त होती है। भक्तजन व्रत रखकर राम नाम का जाप करते हैं और शबरी माता की भक्ति से प्रेरणा लेते हैं। **शबरी जयंती की पूजा विधि-** शबरी जयंती के दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके

बाद हाथ में जल लेकर भगवान श्रीराम और माता शबरी का स्मरण करते हुए पूजा और व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें और वेदी पर लाल या पीले रंग का वस्त्र बिछाएं। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और माता शबरी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। इसके बाद घी का दीपक और धूप प्रज्वलित करें। भगवान श्रीराम को पीले पुष्प अर्पित करें, जबकि माता सीता और माता शबरी को लाल पुष्प चढ़ाएं। गोपीचंदन, रोली और चंदन से तिलक करें। पूजा के दौरान रामायण के शबरी प्रसंग या शबरी कथा का पाठ करना अत्यंत फलदायी माना जाता है। अंत में पूरे श्रद्धा भाव से आरती करें और पूजा में हुई किसी भी त्रुटि के लिए प्रभु से क्षमा याचना करें।

शबरी जयंती का विशेष भोग- इस दिन बेर का भोग विशेष रूप से शुभ माना जाता है। ध्यान रखें कि बेर ताजे, स्वच्छ और मीठे हों। इसके अतिरिक्त कंद-मूल, शहद, फल और घर में बनी सात्विक मिठाइयां भी अर्पित की जा सकती हैं।

कुछ भक्त केसरिया खीर या गुड़ से बने प्रसाद का भोग भी लगाते हैं। भोग अर्पित करते समय मन में केवल भक्ति और कृतज्ञता का भाव होना चाहिए।

शबरी जयंती पर करें इन प्रभावशाली मंत्रों का जाप- शबरी जयंती के दिन राम नाम का जाप विशेष फलदायी माना जाता है। निम्न मंत्रों का श्रद्धा के साथ जाप करें, ॐ रामाय नमः, श्री राम जय राम जय जय राम, राम रामायेति रामेति

रमे रामे मनोरमे, सहस्त्रनाम तत्तुल्यं, रामनाम वरानने, इन मंत्रों का 108 बार जाप करने से मानसिक शांति, आत्मबल और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

शबरी जयंती का धार्मिक महत्व- मान्यता है कि शबरी जयंती के दिन सच्चे मन से की गई पूजा से भगवान श्रीराम शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि ईश्वर को पाने के लिए केवल निष्कलंक भक्ति, धैर्य और प्रेम की आवश्यकता होती है। जो भक्त इस दिन राम नाम का स्मरण करते हैं और माता शबरी के आदर्शों को जीवन में अपनाते हैं, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

सम्पादकीय

संसदीय मर्यादा की सीमा का क्षरण लोकतंत्र के लिए खतरा

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच होती है, जहां मतभेदों के बावजूद संवाद, सहमति और संतुलन की अपेक्षा की जाती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाल के वर्षों में शायद ही कोई सत्र ऐसा रहा हो, जो बिना व्यवधान के संपन्न हुआ हो। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगता है। मौजूदा बजट सत्र में घटित घटनाएं राजनीतिक दलों के संसदीय आचरण और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

बहुदलीय लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन असहमति व्यक्त करने के भी कुछ स्थापित संसदीय मानदंड होते हैं। सदन के भीतर नारेबाजी, आसन के समक्ष कागज फाड़कर फेंकना या कार्यवाही बाधित करना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता।

पवन गौतम

हालिया घटनाक्रम में विपक्ष के आठ सांसदों का निलंबन इस बात का संकेत है कि टकराव की राजनीति किस हद तक पहुंच चुकी है। यह मानना कठिन नहीं कि बढ़ती राजनीतिक कटुता के लिए किसी एक पक्ष को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह भी सच है कि कोई भी पक्ष पूरी तरह निर्दोष नहीं दिखता।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और उस पर प्रधानमंत्री का जवाब संसदीय परंपरा का अहम हिस्सा है। वर्ष 2004 के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि लोकसभा में प्रधानमंत्री के उत्तर के बिना ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। यह स्थिति इसलिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि इससे सहजता से बचा जा सकता था। विपक्ष का यह आग्रह कि नेता प्रतिपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिले, और सत्तापक्ष का यह तर्क कि असंसदीय या अप्रकाशित संदर्भों से बचा जाए – दोनों के बीच संतुलन स्पीकर की मध्यस्थता से निकाला जा सकता था।

राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख की प्रकाशनाधीन पुस्तक का उल्लेख कर सरकार को घेरने की कोशिश ने विवाद को और गहरा किया। संसदीय प्रक्रिया में यह स्थापित नियम है कि अप्रकाशित सामग्री का हवाला सदन में नहीं दिया जाता। यदि विपक्ष इस मुद्दे को सदन के बाहर उठाता और सदन के भीतर सामरिक व भू–राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा करता, तो टकराव की स्थिति टल सकती थी। वहीं सत्तापक्ष को भी लचीलापन दिखाते हुए संवाद का रास्ता खोलना चाहिए था। आज जब देश वैश्विक, सामरिक और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि वे संसदीय लोकतंत्र को कमजोर करने वाली राजनीति से बचें। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या हारने का नाम नहीं है, बल्कि संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने से ही वह मजबूत होता है। टकराव के बजाय संवाद, हठ के बजाय समझदारी और राजनीतिक लाभ के बजाय राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना ही समय की मांग है। संसद की साख बचाना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की साझा जिम्मेदारी है।

नजरिया

डेटा संप्रभुता: तकनीकी सुविधा से आगे राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न

डिजिटल युग ने दुनिया को जितना आपस में जोड़ा है, उतना ही वह देशों के लिए नई तरह की असुरक्षाएं भी लेकर आया है। बीते दो दशकों में सोशल मीडिया, सर्च इंजन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म्स ने न केवल संवाद की शैली बदली है, बल्कि राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवहार को भी गहराई से प्रभावित किया है। समस्या यह नहीं है कि तकनीक ने जीवन को आसान बनाया, बल्कि चिंता इस बात की है कि इस तकनीक पर नियंत्रण किसके हाथ में है और उससे पैदा होने वाले डेटा का उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा है। आज दुनिया के अधिकांश देशों का डिजिटल डेटा कुछ गिनी–चुनी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सर्वरों में कैद है। फेसबुक, गूगल, एक्स, माइक्रोसॉफ्ट और अमेज़न जैसी कंपनियां केवल तकनीकी सेवाएं ही नहीं देतीं, बल्कि वे अरबों लोगों की निजी जानकारी, व्यवहार, पसंद–नापसंद और राजनीतिक रुझानों को भी नियंत्रित करती हैं। यह स्थिति किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए सहज नहीं हो सकती, क्योंकि डेटा अब केवल आर्थिक संसाधन नहीं रहा, बल्कि सत्ता, प्रभाव और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। यूरोप के कई देशों ने इस खतरे को समय रहते समझ लिया है। वर्ष 2027 तक जूम, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और वेबेक्स जैसे अमेरिकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल्स के सरकारी इस्तेमाल को बंद करने का फैसला इसी चिंता का परिणाम है। यूरोपीय संघ ने डेटा एक्ट, एआई एक्ट और एनआईएस–2 जैसे सख्त कानूनों के जरिए यह स्पष्ट कर दिया है कि नागरिकों की निजता और राष्ट्रीय डेटा की सुरक्षा किसी भी कीमत पर समझौता योग्य नहीं है। यह केवल तकनीकी नीति नहीं, बल्कि डिजिटल संप्रभुता की स्पष्ट घोषणा है। भारत के संदर्भ में यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है। यहां करोड़ों लोग सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से जुड़े हैं। चुनावों के दौरान फेक न्यूज, डीपफेक वीडियो और एल्गोरिद्मिक ध्रुवीकरण के आरोप बार–बार सामने आते रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में यह चिंता खुलकर व्यक्त की गई कि विदेशी प्लेटफॉर्म्स के जरिए मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिशें हुईं। यह केवल राजनीतिक दलों का आरोप नहीं था, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठता सवाल था। इन प्लेटफॉर्म्स की कार्यप्रणाली को समझना जरूरी है। एल्गोरिद्म का उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना होता है। इसके लिए अक्सर सनसनीखेज, उग्र और भावनात्मक सामग्री को प्राथमिकता दी जाती

है। नतीजतन समाज में नफरत, अविश्वास और भ्रम का वातावरण बनता है। युवाओं में तनाव, अवसाद, आत्मसम्मान की कमी और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह एक ऐसा सामाजिक संकट है, जिसकी जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति या समूह पर नहीं डाली जा सकती। छोटे देशों में भी इस असंतोष की गूंज सुनाई देने लगी है। नेपाल, इंडोनेशिया और मोरक्को जैसे देशों में डेटा प्राइवेसी को लेकर विरोध प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि डिजिटल उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक चेतना आकार ले रही है। सवाल यह नहीं है कि तकनीक का उपयोग किया जाए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या देश अपनी शर्तों पर तकनीक अपनाने में सक्षम हैं। भारत ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 के जरिए इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम जरूर उठाया है। इस कानून के तहत विदेशी कंपनियों को भारत में डेटा स्टोर करने और उसके दुरुपयोग की स्थिति में जवाबदेह ठहराने का प्रावधान किया गया है। हालांकि कानून बन जाना ही पर्याप्त नहीं है। उसका सख्त और पारदर्शी क्रियान्वयन उतना ही जरूरी है। यदि नियम केवल कागजों तक सीमित रह जाएं, तो वे डिजिटल दिग्गजों के प्रभाव को रोकने में सक्षम नहीं होंगे। हाल के वर्षों में यह संकेत जरूर मिला है कि सरकार स्वदेशी डिजिटल विकल्पों को लेकर गंभीर है। लगभग 12 लाख केंद्रीय कर्मचारियों के ई–मेल को जोहो मेल पर शिफ्ट करना एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इससे यह संदेश जाता है कि विदेशी प्लेटफॉर्म्स पर पूर्ण निर्भरता अपरिहार्य नहीं है। इसी तर्ज पर सोशल मीडिया, मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए भी स्वदेशी और ओपन सोर्स विकल्पों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

हालांकि स्वदेशी विकल्प अपनाने की राह आसान नहीं है। विदेशी प्लेटफॉर्म्स का नेटवर्क प्रभाव बहुत मजबूत है। लोग वहीं जाते हैं, जहां बाकी लोग पहले से मौजूद हों। इसके अलावा उपयोगकर्ता अनुभव, तकनीकी स्थिरता और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स को लगातार खुद को साबित करना होगा। लेकिन यह एक दिन में होने वाला काम नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक नीति, निवेश और भरोसे की जरूरत है। राष्ट्रीय डेटा नीति का अभाव इस पूरी बहस की एक बड़ी कमजोरी है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए यह आवश्यक है कि डेटा संग्रह, भंडारण और उपयोग से जुड़े नियम स्पष्ट, पारदर्शी और समान रूप से लागू हों। यह नीति केवल सरकारी डेटा तक सीमित न रहे, बल्कि निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी इसके दायरे में लाया जाए। नागरिकों को यह जानने का अधिकार हो कि उनका डेटा कहां, कैसे और किस उद्देश्य से इस्तेमाल किया जा रहा है। डिजिटल संप्रभुता अब केवल तकनीकी या आर्थिक मुद्दा नहीं रह गई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक मूल्यों से गहराई से जुड़ चुका है। जिस तरह सीमाओं की सुरक्षा के लिए सेना जरूरी है, उसी तरह डेटा की सुरक्षा के लिए मजबूत नीतिगत ढांचा अनिवार्य हो गया है। यदि डेटा पर नियंत्रण बाहरी शक्तियों के हाथ में रहा, तो नीति निर्माण से लेकर जनमत तक पर उनका अप्रत्यक्ष प्रभाव बना रहेगा।

भारत को इस चुनौती को अवसर में बदलने की जरूरत है। स्वदेशी तकनीकी इकोसिस्टम न केवल डेटा सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, बल्कि रोजगार, नवाचार और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा दे सकता है। ओपन सोर्स तकनीक, स्थानीय स्टार्टअप्स और सार्वजनिक–निजी साझेदारी के जरिए एक ऐसा डिजिटल मॉडल विकसित किया जा सकता है, जो उपयोगकर्ता की सुविधा और राष्ट्रीय हित के बीच संतुलन बनाए। अंततः सवाल सुविधा बनाम सुरक्षा का नहीं है, बल्कि संतुलन का है। तकनीक से पीछे हटना समाधान नहीं, लेकिन आंख मूंदकर उस पर निर्भर रहना भी खतरनाक है। समय आ गया है कि भारत डेटा को केवल संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखे। स्वदेशी विकल्पों को बढ़ावा देना, कड़े नियम लागू करना और नागरिकों को जागरूक बनाना – यही वह रास्ता है, जो डिजिटल भविष्य को सुरक्षित और संप्रभु बना सकता है।

विचार विण्डो

अंगदान: आस्था, व्यवस्था और इच्छाशक्ति के बीच फंसा जीवनदायिनी संकल्प

भारत की सांस्कृतिक चेतना में दान और त्याग को सर्वोच्च मूल्य माना गया है। महर्षि दधीचि द्वारा लोककल्याण के लिए अपनी अस्थियों के दान की कथा केवल पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि सामूहिक हित के लिए व्यक्तिगत बलिदान का प्रतीक है। ऐसे देश में, जहां जीव–दया और परोपकार जीवन दर्शन का हिस्सा रहे हों, वहां अंगदान जैसे महादान को स्वीकार करने में झिझक होना एक विडंबना है। यह विडंबना और भी गहरी तब हो जाती है, जब इसके कारण हर वर्ष लाखों लोगों को जीवन का अवसर नहीं मिल पाता। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के शोधकर्ताओं द्वारा सितंबर 2025 में प्रकाशित एक अध्ययन ने भारत में अंगदान की जमीनी सच्चाइयों को उजागर किया है। इस अध्ययन में ब्रेन–डेड मरीजों की देखभाल से जुड़े चिकित्सकों, न्यूरोसर्जनों, एनेस्थीसिया विशेषज्ञों और क्रिटिकल केयर डॉक्टरों को शामिल किया गया। निष्कर्ष चिंताजनक हैं। 62 प्रतिशत प्रतिभागियों ने माना कि जन–जागरूकता का अभाव और परिवार की असहमति अंगदान की राह में सबसे बड़ी बाधा है। यह तथ्य बताता है कि समस्या केवल भावनात्मक या धार्मिक नहीं, बल्कि सूचना, संवाद और विश्वास की भी है। ब्रेन–डेथ वह चिकित्सकीय अवस्था है, जिसमें मस्तिष्क पूरी तरह और स्थायी रूप से कार्य करना बंद कर देता है, जबकि मशीनों की मदद से हृदय की धड़कन और सांसें कुछ समय तक चलती रहती हैं। कानून और चिकित्सा विज्ञान दोनों ही इसे मृत्यु मानते हैं। इसके बावजूद समाज में ब्रेन–डेथ को लेकर भ्रम बना हुआ है। परिणामस्वरूप परिजन अक्सर यह मानने को तैयार नहीं होते कि मरीज अब जीवित नहीं है, और यहीं से अंगदान की संभावनाएं समाप्त होने लगती हैं। अंगदान को 'महादान' कहा जाता है, क्योंकि एक ब्रेन–डेड व्यक्ति अपने अंतिम क्षणों में भी आठ तक लोगों को नया जीवन दे सकता है। यकृत, गुर्दे, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंतें ऐसे अंग हैं, जिनके

प्रत्यारोपण से गंभीर रोगियों की जान बचाई जा सकती है। इसके बावजूद भारत में अंगदान की दर आवश्यकता की तुलना में बेहद कम है। अनुमान है कि देश में हर वर्ष अंगों की कमी के कारण लगभग पांच लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। वहीं, प्रतिवर्ष लगभग दो लाख ब्रेन–डेथ के मामले सामने आते हैं। इसके विपरीत नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन की 2024–25 की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2024 में केवल 1128 ब्रेन–डेड मामलों में ही अंगदान हो सका।

यह अंतर केवल सामाजिक मानसिकता का परिणाम नहीं है, बल्कि संस्थागत विफलताओं की ओर भी संकेत करता है। सवाल यह है कि क्या देश के अस्पतालों में ऐसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं, जो हर संभावित दानदाता को अंगदान का अवसर दे सकें? यदि कोई व्यक्ति या परिवार अंगदान के लिए तैयार है, लेकिन व्यवस्था की कमी के कारण यह संभव नहीं हो पाता, तो यह एक गंभीर नैतिक और प्रशासनिक विफलता है।

लेखक का व्यक्तिगत अनुभव इस समस्या की भयावहता को और स्पष्ट करता है। एक मध्यम आकार के निजी अस्पताल में ब्रेन–स्ट्रोक से पीड़ित मरीज के वेंटिलेटर पर होने के बावजूद ब्रेन–डेथ की स्पष्ट पुष्टि नहीं की जा सकी। अंगदान की इच्छा जताने पर अस्पताल ने यह कहकर हाथ खड़े कर दिए कि उनके पास ऐसी सुविधा नहीं है और मरीज को दूसरे सरकारी अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। भावनात्मक रूप से टूटे परिजनों से इस तरह की भाग–दौड़ की अपेक्षा करना न केवल अमानवीय है, बल्कि व्यवस्था की असंवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

अंगदान प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी 'ब्रेन–डेथ सर्टिफिकेशन' है। इसके बिना कानूनी और नैतिक रूप से अंग निकालना संभव नहीं है। एम्स के सर्वे में यह तथ्य सामने आया कि 60 प्रतिशत से अधिक चिकित्सकों को एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान बीडीसी का कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला। यही नहीं, 43.5 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अंग प्रत्यारोपण सुविधाओं की कमी को भी कम अंगदान का बड़ा कारण बताया। कई चिकित्सकों में ब्रेन–डेथ प्रमाणित करने को लेकर आत्मविश्वास की कमी और उदासीन रवैया भी देखा गया। इसका सीधा असर उन मरीजों पर पड़ता है, जिन्हें समय पर अंग मिल सकता था।

स्पष्ट है कि अंगदान को केवल जन–जागरूकता अभियानों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए चार स्तरों पर संस्थागत संकल्प जरूरी है। पहला, सामाजिक स्तर पर – जहां धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाएं अंगदान को पुण्य और मानवीय कर्तव्य के रूप में स्थापित करें। दूसरा, सरकारी स्तर पर – जहां अंग रिट्रीवल और प्रत्यारोपण की सुविधाओं को हर बड़े और मध्यम अस्पताल तक पहुंचाया जाए। तीसरा, चिकित्सा शिक्षा के स्तर पर – जहां एमबीबीएस पाठ्यक्रम में ब्रेन–डेथ सर्टिफिकेशन का प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए। और चौथा, चिकित्सकीय बिरादरी के स्तर पर – जहां अंगदान को केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जीवन बचाने के मिशन के रूप में अपनाया जाए। यदि प्रत्येक ब्रेन–डेथ मामले में सर्टिफिकेशन सुनिश्चित हो, और परिजनों से संवेदनशील व ईमानदार संवाद किया जाए, तो अंगदान की तस्वीर बदल सकती है। इसके लिए इच्छाशक्ति, प्रशिक्षण और जवाबदेही – तीनों की समान रूप से आवश्यकता है। अंगदान का प्रश्न केवल मृत्यु का नहीं, बल्कि किसी और के जीवन की शुरुआत का है। जब संस्थाएं इस सत्य को आत्मसात कर लेंगी, तभी भारत में अंगदान एक दुर्लभ घटना नहीं, बल्कि सामान्य मानवीय कर्तव्य बन सकेगा।

टी 20 वर्ल्ड कप 2026: सूर्यकुमार यादव का ऐतिहासिक प्रदर्शन

कोहली को छोड़ा पीछे, अर्शदीप सिंह ने रचा बड़ा रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार आगाज करते हुए अमेरिका को 29 रन से शिकस्त दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया की जीत के नायक कप्तान सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह रहे, जिन्होंने अपने-अपने प्रदर्शन से कई अहम रिकॉर्ड अपने नाम किए।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए। ऐसे समय में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पारी को संभालते हुए जिम्मेदारी भरा खेल दिखाया। उन्होंने आक्रामक और समझदारी भरी बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 84 रन की शानदार पारी खेली। सूर्यकुमार की इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 161 रन बनाए और अमेरिका के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिकी टीम को भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव में रखा। हालांकि बीच में कुछ साझेदारियां बनीं, लेकिन भारतीय गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी के सामने अमेरिका की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी और मुकाबला 29 रन से हार गई। सूर्यकुमार यादव को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ा व्यक्तिगत रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। सूर्यकुमार अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार ने 105 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17 बार यह पुरस्कार जीता है, जबकि विराट कोहली ने 125 मैचों में 16 बार यह सम्मान हासिल किया था। टी20 विश्व कप के इतिहास में भी सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। वह अब इस टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के मामले में युवराज सिंह, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन से आगे निकल चुके हैं। सूर्यकुमार ने टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 19 मैचों में चार बार यह पुरस्कार जीता है। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भी बड़ी उपलब्धि हासिल की। अर्शदीप टी20 विश्व कप में 15 मैचों के बाद 29 विकेट लेकर संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा की बराबरी कर ली है। इस सूची में पहले स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नॉर्त्जे हैं, जिनके नाम 30 विकेट दर्ज हैं। कुल मिलाकर, भारत की यह जीत आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही और टीम इंडिया ने अपने पहले ही मुकाबले में यह साफ कर दिया कि वह खिताब की प्रबल दावेदार है।

कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है ये हॉरर फिल्म

2 घंटे 1 मिनट की 'डेथ व्हिसपरर', जिसका हर सीन रूह कंपा देता है

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप हॉरर फिल्मों के शौकीन हैं और ऐसी फिल्म की तलाश में हैं, जिसे देखकर सच में डर महसूस हो, तो आपके लिए 'डेथ व्हिसपरर' एक परफेक्ट चॉइस साबित हो सकती है। साल 2023 में रिलीज हुई यह फिल्म इतनी खौफनाक है कि इसे अकेले देखना हर किसी के बस की बात नहीं है। फिल्म का हर सीन डर, सस्पेंस और रहस्यमयी माहौल से भरा हुआ है, जो दर्शकों के रोंगटे खड़े कर देता है।

'डेथ व्हिसपरर' एक थाई सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म है, जिसने रिलीज के समय थाईलैंड के सिनेमाघरों में खूब धमाल मचाया था। अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी दर्शकों को डरा रही है। खास बात यह है कि फिल्म की लेखिका ने दावा किया था कि इसकी कहानी असल जिंदगी से प्रेरित है। उनके अनुसार, उनके परिवार के साथ किशोरावस्था में घटित एक भयावह घटना इस फिल्म की प्रेरणा बनी। फिल्म की कहानी एक किसान परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें तीन बेटियां हैं। परिवार का बेटा कुछ समय बाहर रहने के बाद जब घर लौटता है, तो उसके आते ही परिवार की दूसरी बेटी की तबीयत बिगड़ने लगती है। धीरे-धीरे उसके व्यवहार में अजीब बदलाव नजर आने लगते हैं, जिससे पूरे परिवार में डर का माहौल बन जाता है। जल्द ही साफ हो जाता है कि यह सिर्फ बीमारी नहीं, बल्कि किसी अनजान और खतरनाक शक्ति का असर है। फिल्म अपराधबोध, डर और अनदेखी शक्तियों के टकराव को बेहद प्रभावशाली तरीके से दिखाती है। इसकी सिनेमेटोग्राफी और बैकग्राउंड स्कोर डर को और गहरा बना देते हैं। अगर आप इस वीकेंड कुछ अलग और बेहद डरावना देखना चाहते हैं, तो 121 मिनट की 'डेथ व्हिसपरर' नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। बस एक सलाह–इसे अकेले देखने का जोखिम न लें, क्योंकि यह फिल्म सच में कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है।

शुरू हुई धनुष–श्रीलीला की फिल्म डी 5 की शूटिंग

सेट से सामने आईं पहली तस्वीरें, साई पल्लवी की मौजूदगी ने बढ़ाया उत्साह

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री श्रीलीला की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डी 5 (अस्थायी नाम) की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। शनिवार को फिल्म के सेट से पहली तस्वीरें सामने आईं, जिन्हें देखकर फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। शूटिंग की शुरुआत पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसमें फिल्म की पूरी टीम मौजूद रही।

शूटिंग के पहले दिन सुपरहिट अभिनेत्री साई पल्लवी भी सेट पर नजर आईं। मेकर्स पहले ही इस प्रोजेक्ट में साई पल्लवी की एंट्री का ऐलान कर चुके थे। यह दूसरी बार होगा जब साई पल्लवी और धनुष एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले दोनों फिल्म 'मारी 2' में साथ काम कर चुके हैं, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म की खास बात यह है कि इसमें धनुष और ममूटी पहली बार एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों दिग्गज कलाकारों को एक ही फिल्म में देखने को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। फिल्म में धनुष, ममूटी, साई पल्लवी और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस वंडरबार फिल्म्स ने अपने (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर सेट से तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, "जब सबकी मुस्कान ने एक दमदार शुरुआत की। डी 5 पूजा के कुछ खास पल।" इस पोस्ट के बाद से ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'अमरन' जैसी चर्चित फिल्म बनाई थी। वहीं, फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर देंगे। मेकर्स ने फिलहाल कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

रामायण से रिप्लेस होने की अफवाहों पर बोले विक्रांत मैसी

मैं कभी फिल्म का हिस्सा ही नहीं था

यूनिक समय, नई दिल्ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रामायण' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। बड़े बजट, भव्य विजुअल्स और दमदार स्टारकास्ट के चलते इसे बॉलीवुड की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में गिना जा रहा है। इसी बीच फिल्म को लेकर एक नई चर्चा तब तेज हो गई, जब खबरें सामने आईं कि अभिनेता विक्रांत मैसी को फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया है। अब इन अटकलों पर खुद विक्रांत ने चुप्पी तोड़ी है।

दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि विक्रांत मैसी को 'रामायण' में मेघनाद के किरदार के लिए अप्रोच किया गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह राघव जुयाल को कास्ट कर लिया गया। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कयासों का दौर शुरू हो गया। हालांकि, विक्रांत मैसी ने इन सभी अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। विक्रांत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी साझा की, जिसे बाद में उन्होंने डिलीट कर दिया। इस पोस्ट में उन्होंने साफ लिखा, "मैं इन खबरों पर विराम लगाता हूं। मैं कभी भी इस फिल्म का हिस्सा नहीं था।" उन्होंने आगे 'रामायण' की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह इस फिल्म को एक दर्शक के तौर पर जरूर देखेंगे। विक्रांत के इस बयान के बाद यह साफ हो गया कि उन्हें फिल्म से रिप्लेस किए जाने की खबरें महज अफवाह थीं। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक राघव जुयाल फिल्म 'रामायण' के दूसरे भाग में मेघनाद की भूमिका निभा सकते हैं, जो 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा। फिल्म 'रामायण' की बात करें तो इसमें रणबीर कपूर, यश, सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एआर रहमान और हॉलीवुड के मशहूर कंपोजर हंस जिमर तैयार कर रहे हैं। यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी, जिसका पहला भाग दिवाली 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देगा।

भजन के दौरान बदली हालत पर बोलीं सुधा चंद्रन

मुझे खुद नहीं पता था मेरे साथ क्या हो रहा है

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी और भरतनाट्यम की दिग्गज कलाकार सुधा चंद्रन हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो को लेकर चर्चा में रहीं। यह वीडियो उनके घर में आयोजित माता की चौकी का था, जिसमें वह देवी भजन के दौरान गहरी भक्ति में लीन नजर आईं थीं। वीडियो में सुधा की हालत ऐसी दिखाई दी कि परिवार के लोगों को उन्हें संभालना पड़ा। इसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने इस अनुभव को बनावटी और प्रचार के लिए किया गया करार दिया। अब इन तमाम दावों पर सुधा चंद्रन ने खुलकर अपनी बात रखी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उस समय वह खुद भी नहीं जानती थीं कि उनके साथ क्या हो रहा है। उन्होंने साफ कहा कि वह यह दावा नहीं करतीं कि देवी स्वयं उनके शरीर में प्रवेश कर गई थीं, लेकिन उस क्षण उन्होंने एक अलग तरह की ऊर्जा और आशीर्वाद महसूस किया। सुधा ने यह भी बताया कि इस अनुभव के बाद वह बेहद थक गई थीं। उनके परिवार के अनुसार, उन्होंने मात्र 6-7 मिनट में करीब 4 लीटर पानी पी लिया था। एक्ट्रेस के मुताबिक, यह किसी आम इंसान के लिए असंभव सा लग सकता है, लेकिन उस समय उनका शरीर पूरी तरह ऊर्जा से खाली हो चुका था। अभिनेत्री ने उन आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा गया कि उन्होंने यह सब सुर्खियों में आने के लिए किया।

लखीमपुर खीरी में दर्दनाक सड़क हादसा

कोहरे में टेंपो पलटा, तीन मासूम बच्चों समेत चार की मौत, पांच घायल

यूनिक समय, लखीमपुर खीरी। जिले के धौरहरा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बसंतापुर पुलिया के पास सवारियों से भरा एक टेंपो घने कोहरे के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में तीन मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टेंपो चालक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, सभी यात्री रात करीब 12:45 बजे धौरहरा क्षेत्र से एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर टेंपो से अपने गांव ऊंचगांव (थाना खमरिया) लौट रहे थे। रास्ते में घने कोहरे के कारण चालक को सड़क और पुलिया का सही अंदाजा नहीं हो सका, जिससे टेंपो बसंतापुर पुलिया से टकराकर पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को टेंपो से बाहर निकालकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) धौरहरा भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने खुशबू (12 वर्ष), अबू तालिब (5 वर्ष) और अजरा (2 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल टेंपो चालक इसराइल उर्फ जीशान (30 वर्ष) को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

घायलों में किस्मतुन (45), साकिया (20), सादिया (22), निदा (10) और अकील (18) शामिल हैं। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण घना कोहरा और दृश्यता की कमी बताया जा रहा है।

लखनऊ – रायबरेली रोड पर भीषण सड़क हादसा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ-रायबरेली राजमार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार में फंसे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को वाहन से बाहर निकाला। इसी दौरान टोल प्लाजा के पास आयोजित राज्य महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन कार्यक्रम से लौट रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र सिंह मौके से गुजर रहे थे। पूर्व मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत अपना काफिला रुकवाया और स्कॉर्ट वाहन से घायल विकास और महिला संगीता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। बाद में वह स्वयं भी अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें ट्रॉमा सेंटर-2 रेफर कर दिया। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है।

वाराणसी कफ सिरप कांड में बड़ा एक्शन

सरगना शुभम के मुख्य सहयोगी अमितऔर दिवेश समेत पांच गिरफ्तार

यूनिक समय, वाराणसी । कोडीन युक्त न्यू फैंसाडिल कफ सिरप की अवैध तस्करी करने वाले गिरोह पर वाराणसी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली कमिश्नरेट पुलिस और एसआईटी टीम ने मिर्जापुर लिंक रोड से इन आरोपियों को दबोचा। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में गिरोह के सरगना शुभम जायसवाल के मुख्य सहयोगी अमित जायसवाल और दिवेश जायसवाल शामिल हैं, जिन पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी फर्जी और कूटरचित जीएसटी इनवॉइस व ई-वे बिल के जरिए झारखंड के रांची स्थित शैली ट्रेडर्स से बड़ी मात्रा में कोडीन युक्त कफ सिरप मंगवाते थे। इस सिरप को औषधीय उपयोग के बजाय नशे के तौर पर देश के विभिन्न राज्यों में मेडिकल फर्मों के माध्यम से खपाया जाता था। जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य केबीएन प्लाजा स्थित कार्यालय में बैठकर पूरी साजिश रचते थे। वहीं से पैसों के लेनदेन, बैंक खातों में जमा

फर्जी बिलों से करोड़ों का नशे का कारोबार उजागर

और नकद भुगतान की रणनीति तय की जाती थी।

अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि अब तक करीब 25 लाख बोतल कफ सिरप की तस्करी कर हवाला के माध्यम से लगभग 40 करोड़ रुपये का अवैध कारोबार किया गया, जिसमें करीब आठ करोड़ रुपये का सीधा लाभ उन्हें मिला। पुलिस के अनुसार पश्चिम बंगाल, बिहार और त्रिपुरा में भी इस गिरोह की खेप पकड़ी जा चुकी है। गिरफ्तार अभियुक्तों में अमित जायसवाल, दिवेश जायसवाल, अभिनव कुमार यादव, घनश्याम मौर्य और अंकुश सिंह शामिल हैं। सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई जारी है।

आगरा ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था का आईबी एडिशनल डायरेक्टर ने लिया जायजा

यूनिक समय, आगरा । आगरा स्थित विश्व प्रसिद्ध ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एडिशनल डायरेक्टर ने स्मारक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ताजमहल पर तैनात सुरक्षा बलों की तैयारियों, आधुनिक उपकरणों और एंटी ड्रोन सिस्टम का जायजा लिया तथा मौजूदा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान आईबी एडिशनल डायरेक्टर ने सुरक्षा में तैनात जवानों से संवाद किया और कहा कि सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने जवानों को अंग्रेजी भाषा के साथ ताजमहल के इतिहास की बुनियादी जानकारी रखने के निर्देश दिए, ताकि विदेशी पर्यटकों को बेहतर मार्गदर्शन मिल सके। वीवीआईपी भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए एएसआई ने जानकारी दी है कि सुबह नौ बजे से 11:30 बजे तक मुख्य स्मारक आम पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। जरूरत पड़ने पर यह समय बढ़ाया भी जा सकता है। इसके

एंटी ड्रोन सिस्टम और तैनाती पर जताई संतुष्टि

मद्देनजर स्मारक बंद होने के निर्धारित समय से दो घंटे पहले बुकिंग कार्यालय बंद कर दिए जाएंगे। एएसआई ने आसपास के होटलों और पर्यटन विभाग को भी इस संबंध में सूचित कर दिया है, ताकि पर्यटकों को समय रहते जानकारी मिल सके और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं, वीवीआईपी दौरे को लेकर सीआईएसएफ और स्थानीय पुलिस ने ताजमहल परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने की तैयारी शुरू कर दी है।

झांसी बुलडोजर कार्रवाई पर इलाहाबाद हाईकोर्ट सख्त

यूनिक समय, इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी जिले के मऊरानीपुर क्षेत्र में एक संपत्ति पर हुई तोड़फोड़ के मामले में याची और प्रशासन के परस्पर विरोधी दावों की जांच का जिम्मा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) को सौंप दिया है। कोर्ट ने सीजेएम को निर्देश दिया है कि वह मौके पर जाकर निरीक्षण करें और 10 दिन के भीतर रिपोर्ट दाखिल करें कि प्रशासन ने सार्वजनिक मार्ग से अतिक्रमण हटाया या किसी की निजी संपत्ति पर बुलडोजर चलाया गया। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने झांसी निवासी राकेश कुमार नायक व अन्य की याचिका पर पारित किया। याची का आरोप है कि तहसील प्रशासन ने बिना किसी विधिक आदेश के उनके घर की दीवार और फेंसिंग गिरा दी, जबकि संबंधित संपत्ति का विवाद सिविल

10 दिन में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश

कोर्ट में विचाराधीन है। वहीं, कोर्ट में पेश मऊरानीपुर की उपजिलाधिकारी श्वेता साहू, नायब तहसीलदार रंजीत कुमार और थाना प्रभारी मुकेश कुमार सोलंकी ने हलफनामा दाखिल कर दावा किया कि याची की निजी संपत्ति पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारियों के अनुसार, पड़ोसी की शिकायत पर सार्वजनिक मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया था। कोर्ट ने पाया कि दोनों पक्षों के दावों में स्पष्ट विरोधाभास है।

इसी को देखते हुए सीजेएम को यह जांच करने के निर्देश दिए गए हैं कि मौके पर वास्तव में कोई सार्वजनिक सड़क है या नहीं और क्या याची द्वारा पड़ोसी का रास्ता अवरुद्ध किया गया था।

मेरठः शादी से कुछ घंटे पहले महिला सिपाही लापता

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ जिले के मवाना थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर सादात में उस समय हड़कंप मच गया, जब शादी से कुछ घंटे पहले एक महिला सिपाही के लापता होने की खबर सामने आई। शनिवार रात महिला सिपाही की बरात आनी थी, लेकिन उससे पहले ही वह अचानक गायब हो गई। परिजनों ने गांव ढिकोली निवासी अंकित पर महिला सिपाही को अगवा करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित परिवार के अनुसार, शाम के समय अंकित महिला सिपाही को अपने साथ ले गया। जब काफी देर तक उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने दो पुलिस टीमों के साथ-साथ एसटीएफ और एसओजी को महिला सिपाही की बरामदगी के लिए लगाया है। जानकारी के मुताबिक, महिला सिपाही 2020 बैच की कांस्टेबल है और वर्तमान में मुजफ्फरनगर जिले में तैनात थी। उसका होने वाला पति भी उसी थाने में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। खास बात यह है कि बरात भी आरोपी युवक के ही गांव ढिकोली

युवक पर अगवा करने का आरोप, एसओजी और एसटीएफ की तलाश जारी

से आनी थी, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया है।

वहीं, सीओ मवाना पंकज लवानिया ने बताया कि महिला सिपाही और आरोपी युवक एक-दूसरे को पहले से जानते थे। महिला सिपाही बालिग है और उसकी उम्र लगभग 25 वर्ष है। सीओ के अनुसार, महिला सिपाही ने खुद परिजनों को फोन कर कहा है कि वह अपनी मर्जी से गई है और किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले को गोपनीय रखते हुए महिला सिपाही की सकुशल बरामदगी और सच्चाई सामने लाने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

सीएम योगी ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। सत्र की शुरुआत से पहले रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सर्वदलीय बैठक की। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के साथ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सहित अन्य दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करना और सभी दलों से सहयोग की अपील करना रहा। सरकार की ओर से 11 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जाएगा। इस बार प्रदेश का बजट आकार करीब 9 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना है, जो अब तक का सबसे बड़ा बजट हो सकता है। सरकार का फोकस विकास कार्यों को गति देने

और आम जनता से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत करने पर रहेगा। सूत्रों के मुताबिक बजट में सड़क, पुल, शहरी विकास और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया जा सकता है। इसके अलावा युवाओं के रोजगार, किसानों की आय बढ़ाने और गरीब व जरूरतमंद वर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। पिछले वित्तीय वर्ष में उत्तर प्रदेश का बजट लगभग 8.08 लाख करोड़ रुपये का था, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में करीब 9.8 प्रतिशत अधिक था। इस बार का बजट उससे

11 फरवरी को पेश होगा करीब 9 लाख करोड़ का बजट

भी बड़ा होने की उम्मीद है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के लिए भी पर्याप्त धनराशि रखे जाने के संकेत हैं। अनुमान है कि कुल बजट का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा इंफ्रास्ट्रक्चर, 15 प्रतिशत शिक्षा, 12 प्रतिशत कृषि, 8 प्रतिशत स्वास्थ्य और करीब 5 प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य विकास को तेज करने के साथ-साथ वित्तीय संतुलन बनाए रखना भी है

सार संक्षेप

रूस में भारतीय छात्रों पर चाकू से हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस के उफा शहर में मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में भारतीय छात्रों पर जानलेवा हमला हुआ। आरोपी ने चाकू से हमला कर चार छात्रों समेत छह लोगों को घायल कर दिया। हॉस्टल सुरक्षा और पुलिस ने हमलावर को मौके पर ही पकड़ लिया। घायलों का इलाज जारी है।

ईरान अमेरिका वार्ता से टला युद्ध का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओमान में हुई बातचीत में कोई ठोस समझौता नहीं हुआ, लेकिन ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध की आशंका फिलहाल टल गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि बातचीत का एक और दौर जरूरी है। ईरान परमाणु संवर्धन रोकने को तैयार नहीं, फिर भी कूटनीति से तनाव कम हुआ है। आगे की दिशा नेतन्याहू-ट्रंप बैठक के बाद साफ होगी।

जापान आम चुनाव में ताकाइची को बढ़त

यूनिक समय, नई दिल्ली। जापान में आम चुनाव के लिए मतदान जारी है और प्रधानमंत्री सानाई ताकाइची की पार्टी को बड़ी जीत की उम्मीद है। ओपिनियन पोल्स के मुताबिक एलडीपी को बहुमत मिल सकता है। ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं, चीन विरोधी मानी जाती हैं और मार्गरेट थैचर से प्रेरित रही हैं।

मलेशिया में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया दौरे के दूसरे दिन उनका पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने परदाना पुत्रा भवन में उनका अभिनंदन किया। वार्ता में डिजिटल सहयोग, रक्षा, अरएअठ साझेदारी और व्यापार पर चर्चा हुई। 2023 में दोनों देशों का व्यापार 15 अरब डॉलर पार कर गया था।

कोटा इमारत हादसे में छात्र की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के कोटा में इमारत गिरने से हुए हादसे में 20 वर्षीय कोचिंग छात्र आर्यन की मौत हो गई। अब तक 11 लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया है। एक बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं।

छत्तीसगढ़ नक्सलवाद पर अमित शाह बैठक

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं और रायपुर में नक्सलवाद पर उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। बैठक में राज्य और केंद्र की सुरक्षा एजेंसियां शामिल होंगी। इसके बाद शाह राष्ट्रीय कॉनक्लेव "छत्तीसगढ़ @25" में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

कासगंज-एटा मार्ग पर बस पलटी, 25 यात्री घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कासगंज से एटा जा रही एक बस हिंदुस्तान यूनिलीवर कंपनी के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक, परिचालक समेत 25 यात्री घायल हो गए, जिनमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां इलाज जारी है।

सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल पेमेंट और व्यापार पर ऐतिहासिक समझौते

रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया दौरे ने भारत-मलेशिया संबंधों को नई उंचाई दी है। कुआलालंपुर में विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट) पी. कुमारन ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि यह यात्रा 2015 के बाद प्रधानमंत्री की पहली आधिकारिक मलेशिया यात्रा है, जिसने द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा दी है। दोनों देशों ने अपने रिश्तों को "बढ़ी हुई रणनीतिक साझेदारी" के रूप में आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। पी. कुमारन के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और पर्यटन सहित कई अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर सहयोग, आपदा प्रबंधन, भ्रष्टाचार से निपटने, स्वास्थ्य और ऑडियो-विजुअल सह-निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। डिजिटल भुगतान को लेकर भी बड़ी घोषणा हुई, जहां भारत की यूपीआई सेवाओं को मलेशिया में शुरू करने और सीमा-पार क्यूआर भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनी। इससे दोनों देशों के नागरिकों, पर्यटकों और कारोबारियों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास खोलने का भी ऐलान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशिया में रह रहे करीब 29 लाख भारतीय मूल के लोगों को दोनों देशों के बीच "जीवंत सेतु" बताया।

उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख दोहराते हुए कहा कि इस मुद्दे पर किसी तरह का समझौता नहीं होगा। रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमति बनी। कुल मिलाकर, पीएम मोदी का यह दौरा भारत-मलेशिया संबंधों में सुरक्षा, तकनीक, अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

'कांग्रेस में बीजेपी के ट्रोजन हॉर्स हैं रेवंत रेड्डी'

केटीआर के बयान से तेलंगाना की राजनीति में हलचल

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना में नगर पालिका चुनावों के बीच सियासी तापमान तेज हो गया है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें कांग्रेस के भीतर बीजेपी का "ट्रोजन हॉर्स" करार दिया है। बांसवाड़ा में एक रोडशो और जनसभा को संबोधित करते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी दिल से कभी कांग्रेसी नहीं रहे और वे अंदरखाने बीजेपी के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस का बाहरी चेहरा भले अलग दिखता हो, लेकिन उसके भीतर भगवा राजनीति चल रही है। उन्होंने खासतौर पर अल्पसंख्यक मतदाताओं से सतर्क रहने की अपील की। केटीआर ने रेवंत रेड्डी की आक्रामक भाषा और कथित गाली-गलौज की राजनीति पर भी निशाना साधा और कहा कि सरकार अपने वादों की जवाबदेही से बचने के लिए धमकी भरे बयानों का सहारा ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का पूरा राजनीतिक एजेंडा पूर्व सीएम केसीआर की आलोचना तक सीमित है। केटीआर के इस बयान के बाद तेलंगाना की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है।

आपत्तिजनक इशारों के आरोप पर असम की राजनीति में उबाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम में कथित 'आपत्तिजनक इशारों' को लेकर सियासी घमासान मच गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कैबिनेट बैठक के बाद कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेताओं-देबब्रत सैकिया, भूपेन कुमार बोरा और मीरा बोरठाकुर-के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। आरोप है कि गुवाहाटी में हाल ही में हुई कांग्रेस की एक रैली के दौरान महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक इशारे किए गए।

सीएम शर्मा ने कहा कि यह इशारे असम की महिलाओं का सामूहिक अपमान हैं और किसी भी सभ्य नेता से ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने

कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेताओं पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश

डीजीपी को उचित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। शर्मा ने कांग्रेस से इन नेताओं को पार्टी से निष्कासित करने की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि रैली के दौरान बस की छत से ये इशारे किए गए थे और इसका वीडियो महिला आयोग को भेजा गया है। साथ ही कैबिनेट ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से जुड़े एक अन्य विवाद को भी गृह मंत्रालय को सौंपने का फैसला किया है।

दिल्ली सरकार को एक साल पूरा होने पर राजधानी को मिली बड़ी सौगात

सीएम ने 500 नई ईवी बसों को दिखाई हरी झंडी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर राजधानी के रामलीला मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की 500 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर जनता को बड़ी सौगात दी। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इन 500 नई ईवी बसों के शामिल होने के साथ ही दिल्ली की इलेक्ट्रिक बसों की कुल संख्या बढ़कर 4000 हो गई है। इसके साथ ही दिल्ली देश का सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसों वाला शहर बन गया है। सरकार का दावा है कि इससे प्रदूषण कम होगा, सार्वजनिक परिवहन मजबूत होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में दिल्ली विकास के मामले में पीछे रह गई थी और लोग पानी, सीवेज व स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान थे। 2025 के विधानसभा चुनाव में जनता ने बदलाव के पक्ष में वोट देकर बीजेपी को मौका दिया। सीएम गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल के पुराने बयान का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने साबित कर दिया कि सत्ता देने के साथ-साथ उसे वापस लेना भी जानती है।

सिंधु जल संधि सस्पेंड होने के बाद बड़ा फैसला

चिनाब नदी पर 1856 मेगावाट का सावलकोट पावर प्रोजेक्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिंधु जल संधि को सस्पेंड किए जाने के बाद भारत ने एक बड़ा और रणनीतिक कदम उठाया है। सरकारी कंपनी एनएचपीसी ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में चिनाब नदी पर सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 5129 करोड़ रुपये है और इससे 1856 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। एनएचपीसी के अनुसार, पूरा निर्माण कार्य एक ही पैकेज के तहत किया जाएगा, जिसमें डाइवर्जन टनल, ड्रिफ्ट टनल, कोफर डैम, स्पाइरल टनल और अन्य सहायक ढांचों का निर्माण शामिल है। इससे परियोजना को तेजी और बेहतर समन्वय के साथ पूरा किया जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट से जम्मू-कश्मीर की बढ़ती बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी और राष्ट्रीय पावर ग्रिड को भी मजबूती मिलेगी। बोली प्रक्रिया 12 मार्च से 20 मार्च तक चलेगी। माना जा रहा है कि यह परियोजना न सिर्फ ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाएगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी।

साध्वी प्रेम बाईसा की मौत पर सस्पेंस बरकरार

इंस्टाग्राम पोस्ट करने वाले शख्स के बयान से खुलासे

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के जोधपुर में प्रसिद्ध कथा वाचिका साध्वी प्रेम बाईसा की मौत को दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन यह अब भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उनकी मौत सामान्य थी या इसके पीछे कोई साजिश है। 28 जनवरी की शाम अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनका निधन हो गया था। मामले की जांच अब एसआईटी कर रही है और इस बीच भोमाराम का बयान सामने आया है, जिसने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

भोमाराम वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने साध्वी के निधन के बाद उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से विवादित पोस्ट डाली थी। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी को शाम 6:52 बजे साध्वी के पिता वीरमनाथ का फोन आया और अस्पताल बुलाया गया। जब वे 7:31 बजे पहुंचे, तब तक साध्वी का निधन हो चुका था। बाद में संत समाज की सलाह से आगे की प्रक्रिया तय की गई। भोमाराम ने कहा कि 'न्याय' वाली इंस्टाग्राम पोस्ट उन्हीं के अकाउंट से डाली गई थी, लेकिन उसके शब्द साध्वी के पिता के थे। पोस्ट में साध्वी के ब्रह्मचर्य जीवन, बदनामी और अग्नि परीक्षा जैसे विषयों का जिक्र था, जिससे माहौल गरमा गया और आश्रम में भीड़ जुटने लगी। एसआईटी अब कॉल डिटेल्स, सोशल मीडिया गतिविधि और अस्पताल से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

हनी ट्रैप मामले में दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। हनी ट्रैप में फंसाने के मामले में बलात्कार का फर्जी मामला बना कर ओल पुलिस चौकी पर चौकी इंचार्ज और मुख्य आरक्षी के सहयोग से एक लाख रुपये लेने और चार लाख की रकम लेने के लिए कार को चौकी पर खड़ा कराने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15800 रुपये बरामद किए है। पुलिस ने आगरा के रहने वाले जगदीश सिंह को हनी ट्रैप में फंसाने के लिए एक षड्यंत्र रचने वाले औरंगाबाद निवासी श्याम को फरह पुलिस ने गिरफ्तार कर

आरोपी से 15800 रुपये भी बरामद

लिया। गौरतबल है कि इन लोगों ने जगदीश को ओल में एक मकान किराए पर दिलाने के लिए बुलाया। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से जगदीश को महिला के साथ छोड़कर, प्रधान हिस्ट्रीशीटर खूबीराम चौकी इंचार्ज और मुख्य आरक्षी को बुलाकर लाया और जगदीश को महिला के साथ चौकी ले जाकर उसे बलात्कार में बंद करने की धमकी देकर इन लोगों ने एक लाख रुपये लिए और जगदीश की कार को वही खड़ा करा लिया कि चार लाख देने के बाद कार को ले जाने को कहा गया था। इस मामले में चौकी इंचार्ज मुख्य आरक्षी सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने महिला को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। आज दूसरे अभियुक्त श्याम को भी गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से उसके हिस्से में आयी रकम भी बरामद की है।

चौकी इंचार्ज और अन्य कब होंगे गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन हिस्ट्रीशीटर प्रधान और चौकी इंचार्ज व मुख्य आरक्षी तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। चौकी इंचार्ज ओल कपिल कुमार और मुख्य आरक्षी राकेश और हिस्ट्रीशीटर प्रधान खूबीराम को अभी तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस कर्मियों को तो शायद ही गिरफ्तार कर पाए क्योकि वो तो कोर्ट में सरेंडर कर सकते हैं। इस तरह की इलाके में चर्चा है।

रामजन्मभूमि पर श्रीराममंदिर सनातन संस्कृति की ऐतिहासिक विजय

अयोध्या में श्री नाका हनुमान गढ़ी अयोध्या (फैजाबाद) के पीठाधीश्वर महंत रामदास महाराज के साथ अधिवक्ता।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन से धार्मिक यात्रा पर अयोध्या पहुँचे अधिवक्ताओं के समूह ने श्री नाका हनुमान गढ़ी अयोध्या (फैजाबाद) के पीठाधीश्वर महंत रामदास महाराज से मुलाकात कर राममंदिर को लेकर चर्चा की। रामदास महाराज ने बताया कि अयोध्या धाम स्थित श्रीरामजन्मभूमि पर श्रीराममंदिर का निर्माण भारत की सनातन परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक चेतना की ऐतिहासिक विजय है। यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि करोड़ों रामभक्तों के विश्वास, त्याग और धैर्य का प्रतिफल है। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता मथुरेश कौशिक, पंकज स्वरूप कौशिक, गवेन्द्र पाल शर्मा उर्फ नीलम, खन्ना सैनी एवं रामकुमार बघेल आदि उपस्थित थे।

प्रयास हेल्थ बैंक को मिला मेडिकल सामान

प्रयास संस्था के पदाधिकारियों को मेडिकल सामान देते श्री दामोदर मंदिर के सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी, आचार्य कृष्णा गोस्वामी एवं आचार्य पूर्णचंद गोस्वामी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आचार्य निर्मल चंद गोस्वामी की स्मृति में श्री दामोदर मंदिर के सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी, आचार्य कृष्णा गोस्वामी एवं आचार्य पूर्णचंद गोस्वामी ने प्रयास संस्था की ओर से संचालित प्रयास हैल्थ बैंक को मेडिकल बेड, व्हील चेयर, ऑक्सीजन कंसर्ट्रेटर एवं वॉकर प्रदान किए। बताते चलें कि संस्था स्वास्थ्य हेतु न केवल रक्त उपलब्ध कराती है अपितु ऑक्सीजन कंसर्ट्रेटर, स्ट्रेचर, मेडिकल बेड, व्हील चेयर, वॉकर, नेबुलाइजर आदि मेडिकल उपकरण भी निःशुल्क उपलब्ध कर सेवा कार्य में लगी हुई है। कार्यक्रम में अभय वशिष्ठ, संजीव वर्मा, अमित अग्रवाल और संजय गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

सीएई मथुरा के सिर सजा जीत का ताज

फाइनल मुकाबला 5 विकेट से जीता

ट्रॉफी के साथ विजयी खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, शांतिनिकेतन पब्लिक स्कूल आगरा के मैदान पर आयोजित फर्स्ट शांतिनिकेतन अंडर-15 कप का फाइनल मुकाबला सीएई मथुरा और ताज क्रिकेट अकेडमी आगरा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर सीएई मथुरा के कप्तान अंकुल धनगर ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ताज क्रिकेट अकेडमी आगरा की टीम 39 ओवर में 147 रन पर ऑल आउट हो गई। नितिन यादव ने 34 रन व आतिश जादौन ने 24 रन बनाए। सीएई मथुरा की ओर से राज धनगर ने 3 विकेट तथा उत्कर्ष चौधरी और उत्कर्ष जादौन ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में सीएई मथुरा ने 33 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया। अर्नव बेलौटिया ने नाबाद 89 रन की शानदार पारी खेली, जबकि अंकुल धनगर ने 26 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच अर्नव बेलौटिया रहे।

बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य स्वागत समारोह

स्वागत समारोह में बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अधिवक्ताओं द्वारा गणेशरा स्थित फार्म हाउस पर मथुरा बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, सचिव मनोज शर्मा (पार्षद), संयुक्त सचिव सुरेंद्र शर्मा, ऑडिटर देवकी नंदन शर्मा एवं कोषाध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा का माल्यार्पण, पटका व पगड़ी पहनाकर तथा स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन दीपक कुमार शर्मा एडवोकेट, विधिक एवं जनसंपर्क सलाहकार, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में नई कार्यकारिणी से अधिवक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देते हुए संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का आह्वान किया। समारोह में अधिवक्ता चौहल सिंह कौशिक, देवा गुर्जर, पुष्पेंद्र पचौरी, श्रीकांत पचौरी, महेश शर्मा, कृष्ण मुरारी कटारा सहित अनेक वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ताओं तथा विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने का आश्वासन दिया।

निकुंजवासी डॉ. प्रेम नारायण श्रीवास्तव का स्मृति महोत्सव मनाया

सम्मानित किए विद्वतजनों के साथ नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत एवं समिति के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। श्रीभक्तमाल परिषद् व निंबार्क भूषण डॉ. (प्रो.) प्रेम नारायण श्रीवास्तव स्मृति समिति के संयुक्त तत्वावधान में अठखंबा क्षेत्र निकट श्री मोटे गणेश मन्दिर स्थित भक्तमाल कुटी में श्रीभक्तमाल जयंती महोत्सव तथा निंबार्क भूषण निकुंजवासी प्राच्य दर्शन महाविद्यालय, वृन्दावन के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. (प्रो.) प्रेम नारायण श्रीवास्तव का पुण्य स्मृति महोत्सव मनाया। श्रीनिंबार्क संप्रदाय के संतों ने समाज मुखिया प्रेम दास महाराज की मुखियायी में श्रीभक्तमाल जी का पाठ व मंगल बधाई समाज गायन किया। विशिष्ट जन सम्मान समारोह में धर्म-अध्यात्म के क्षेत्र में शरणागति आश्रम के महंत बिहारीदास भक्तमाली महाराज, संगीत के क्षेत्र में निंबार्क संप्रदाय के समाज मुखिया प्रेमदास महाराज, साहित्य के क्षेत्र में डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. प्रताप पाल शर्मा एवं ब्रज संस्कृति के क्षेत्र में रासाचार्य स्वामी कुंज बिहारी शर्मा (भैयाजी) को सम्मानित कर उन्हें डॉ. प्रेम नारायण श्रीवास्तव स्मृति सम्मान- 2026 से अलंकृत किया। यह सम्मान समिति के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव व मथुरा-वृन्दावन नगर निगम के उप-सभापति मुकेश सारस्वत ने दिया। कार्यक्रम मे संयोजक शुभम श्रीवास्तव, डॉ. चन्द्र प्रकाश शर्मा, अभय वशिष्ठ, ब्रज किशोर त्रिपाठी, भागवताचार्य रामनिवास शास्त्री, डॉ. राधाकांत शर्मा, महंत मधुमंगल शरण शुक्ल, डॉ. श्याम बिहारी खंडेलवाल तथा डॉ. जयेश खंडेलवाल आदि उपस्थित थे।

ब्रज तीर्थ देवालय न्यास ने किया प्रियंका चतुर्वेदी का अभिनंदन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय वृंदावन। यूजीसी के नए नियमों के विरोध में अपनी आवाज उठाने वाली राज्यसभा सांसद ब्रज की बेटी श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी का ब्रज के प्राचीन देवालयों के संगठन ब्रज तीर्थ देवालय न्यास ने अभिनंदन किया। कार्यक्रम संयोजक आचार्य मृदुल कांत शास्त्री एवं न्यास के महामंत्री आर के पांडे ने कहा कि किस प्रकार हिंदू समाज को बांटने का षड्यंत्र हो रहा है। जात-पात के नाम पर समाज के बड़े वर्ग का उत्पीड़न किया जा रहा है और हमारे सभी जन प्रतिनिधि मौन होकर बैठे हुए हैं। ऐसे अवसर पर केवल एक सांसद श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी ने ही अपनी आवाज को बेबाकी से पूरे देश के सामने रखा है।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में आवाज बुलंद करने वाली प्रियंका चतुर्वेदी का स्वागत करते आचार्य मृदुलकांत शास्त्री समेत अन्य लोग।

श्रीमती चतुर्वेदी ने कहा कि यदि केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे यह नियम लागू हो गए तो हिंदू समाज का विघटन होने से कोई रोक नहीं पाएगा। नंदगांव मंदिर के सेवायत कृष्ण मुरारी गोस्वामी, बरसाना से पिंटू गोस्वामी तथा दाऊजी से पाण्डेय ने कहा कि इस काले संशोधन ने हिंदू समाज को दंश दिया है। यमुना मंदिर, मथुरा के सेवायत पंकज चतुर्वेदी, संकीर्तन भवन के सेवायत विनय त्रिपाठी तथा मथुरा से दाऊजी मंदिर की सेवायत सुमंत कृष्ण शात्री तथा विपिन चतुर्वेदी ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि हमारा साथ न दें, हमें उनका भी विरोध करना ही होगा। जो हमारा नहीं हम उनके नहीं।

श्री राधा मदन मोहन मंदिर के सेवायत विजय किशोर गोस्वामी, गोविंद देव मंदिर के सेवायत अरुण गोस्वामी, गोपेश्वर मंदिर के सेवायत सोनू गोस्वामी ने सभी सनातन धर्मियों से प्रियंका चतुर्वेदी का समर्थन करने का आह्वान किया है। इस अवसर पर दानघाटी मंदिर के सेवायत संदीप कौशिक, श्री मुकुट मुखारविंद मंदिर, मानसी गंगा मंदिर के सेवायत हरीबाबू शर्मा, मुखारविंद, जतीपुरा के सेवायत निर्मल कौशिक गोकुल से श्री राजीव शर्मा आदि उपस्थित थे।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053